RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच
संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल
सांध्य दैनिक
दुर्ग-रायपुर-बस्तर संभाग
साझा करें अपने मित्रों से
श्रीकंचनपथ ONLINE
visit us http://www.shreekanchanpath.com
वर्ष- 13, अंक - 107 | भिलाई, मंगलवार 1 फरवरी 2022 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

आम बजट 2022

वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण का डिजिटल बजट

इंकमटैक्स में न स्लैब बदला न कोई छूट

नई दिल्ली (एजेंसी)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद में सबसे पहले, मैं उन लोगों के लिए अपनी सहानुभूति व्यक्त करने के लिए कुछ समय देना चाहता हूं, जिन्हें महामारी के प्रतिकूल स्वास्थ्य और आर्थिक प्रभावों का सामना करना पड़ा था। समग्र, तेज रिबाउंड और अर्थव्यवस्था की रिकवरी हमारे देश के मजबूत लचीलेपन को दर्शाती है। चालू वर्ष में भारत की आर्थिक वृद्धि 9.2 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जो सभी बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में सबसे अधिक है। मैं मानती हूं कि हम एक ओमाइक्रोन तरंग के बीच में हैं, उच्च घटना के साथ, लेकिन हल्के लक्षण हैं। इसके अलावा, हमारे टीकाकरण अभियान की गति और कवरेज ने बहुत मदद की है। पिछले दो वर्षों में स्वास्थ्य के बुनियादी ढांचे में तेजी से सुधार के साथ, हम चुनौतियों का सामना करने की मजबूत स्थिति में हैं। मुझे विश्वास है कि सबका प्रयास के साथ हम मजबूत विकास की अपनी यात्रा जारी रखेंगे।

हम आज़ादी अमृत महोत्सव मना रहे हैं, और अमृत काल में प्रवेश कर चुके हैं, जो भारत@100 की 25 साल लंबी लीडअप है। माननीय प्रधान मंत्री ने अपने स्वतंत्रता दिवस के संबोधन में भारत@100 के लिए दृष्टिकोण निर्धारित किया था। अमृतकाल के दौरान कुछ लक्ष्यों को प्राप्त करके, हमारी सरकार का लक्ष्य को प्राप्त करना है।

2014 से हमारी सरकार का फोकस नागरिकों, खासकर गरीबों और वंचितों के सशक्तिकरण पर रहा है। उपायों में ऐसे कार्यक्रम शामिल हैं जिन्होंने आवास, बिजली, रसोई गैस और पानी तक पहुंच प्रदान की है। हमारे पास वित्तीय समावेशन और प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण सुनिश्चित करने के लिए भी कार्यक्रम हैं। हम सभी अवसरों का लाभ उठाने के लिए गरीबों की क्षमताओं को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

यह बजट विकास को गति प्रदान कर रहा है। यह अमृतकाल के लिए एक खाका (1) के समानांतर ट्रैक रखता है, जो भविष्य और समावेशी है। इसका सीधा फायदा हमारे युवाओं, महिलाओं, किसानों, अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों को होगा। और (2) आधुनिक बुनियादी ढांचे के लिए बड़ा सार्वजनिक निवेश, 100 पर भारत के लिए तैयार। यह प्रधान मंत्री गतिशक्ति द्वारा निर्देशित होगा और बहु-मोडल दृष्टिकोण के तालमेल से लाभान्वित होगा। इस समानांतर ट्रैक पर आगे बढ़ते हुए, हम निम्नलिखित चार प्रमुख प्राथमिकताएँ रखते हैं:- (1) पीएम गतिशक्ति, (2) समावेशी विकास, (3) उत्पादकता वृद्धि और निवेश, सूर्योदय के अवसर, ऊर्जा संक्रमण, और जलवायु कार्रवाई, (4) निवेश का वित्तपोषण।

विकास को गति प्रदान करने के लिए चार प्रमुख प्राथमिकताएं

- पीएम गतिशक्ति
- समावेशी विकास
- उत्पादकता वृद्धि और निवेश, सूर्योदय के अवसर, ऊर्जा संक्रमण, और जलवायु कार्रवाई
- निवेश का वित्तपोषण

ये हैं देश के विकास के लिए सात सुपर इंजन

पीएम गतिशक्ति आर्थिक विकास और सतत विकास के लिए एक परिवर्तनकारी दृष्टिकोण है। दृष्टिकोण सात इंजनों, सड़क, रेलवे, हवाई अड्डों, बंदरगाहों, जन परिवहन, जलमार्ग और रसद अवसंरचना द्वारा संचालित है। सभी सात इंजन एक साथ अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाएंगे। ये इंजन सुपर हैं।

वित्त मंत्री का ऐलान, अगले तीन सालों में 400 वंदेभारत ट्रेनें चलेंगी

केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण मंगलवार को देश का आम बजट पेश कर रही हैं। इस बजट में युवाओं को 16 लाख नौकरियां देने का वादा किया गया है। कहा गया है कि इस बजट से अगले 25 सालों की बुनियाद रखी जाएगी। दावा है कि इस बजट में सभी के लिए कुछ ना कुछ रखा गया है। इसी बीच निर्मला सीतारमण ने ऐलान किया है कि अगले तीन सालों में 400 नई वंदेभारत ट्रेनें तैयार की जाएंगी। दरअसल, अपने बजट भाषण में वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा है कि अगले तीन सालों में 400 नई वंदेभारत ट्रेनें तैयार की जाएंगी। इसके साथ अगले तीन सालों में 100 पीएम गति शक्ति कार्गो टर्मिनल तैयार किए जाएंगे। साथ ही 8 नई रोपवे का निर्माण होगा। वंदे भारत ट्रेनें देश की पहली स्वदेशी तकनीक से निर्मित होने वाली सेमी हाई स्पीड ट्रेनें हैं। इसके साथ ही वित्त मंत्री ने बताया कि 2022-23 के बीच नेशनल हाईवे की लंबाई को 25,000 ग्नद्व तक बढ़ाया जाएगा। पहाड़ी क्षेत्रों के पर्वतमाला रोड को PPP मोड्स पर लाया जाएगा। वंदे भारत ट्रेन कई आधुनिक सुविधाओं से लैस है। इस ट्रेन में ऑन बोर्ड वाई-फाई, जीपीएस आधारित यात्री इन्फॉर्मेशन सिस्टम, खूबसूरत आंतरिक सजावट, वैक्यूम शौचालय, एलइडी लाइट, हर सीट के नीचे चार्जिंग प्वाइंट, हर सीट के नीचे रीडिंग लाइट, इंटेलिजेंट एयर कंडीशनिंग सिस्टम, दिव्यांगों के लिए व्हील चेयर के उपयोग से ट्रेन में चढ़ने की सुविधा, उनके लिए अलग से शौचालय, सीसीटीवी, फायर फाइटिंग सिस्टम, स्वचालित स्लाइडिंग दरवाजा जैसी सुविधाएं हैं।

किसान: किसानों के लिए बड़े प्लान, गंगा किनारे से होगी शुरुआत

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद में पेश किए बजट में किसानों के लिए सौगातों का पिटारा खोला। बजट में सभी तबके के लोगों का ध्यान रखने की कोशिश की गई। पांच राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले सरकार ने इस बजट में किसानों के लिए कई बड़ी घोषणाएं की। इसमें किसानों को डिजिटल सेवा देना, तिलहनों के उत्पादन को बढ़ावा देने का अभियान शुरू किया जाना शामिल है। इसके अलावा पांच नदियों को आपस में जोड़ा जाएगा, सिंचाई-पेयजल सुविधा बढ़ाने पर जोर दिया जाएगा। बजट में वित्त मंत्री ने कहा कि किसानों को डिजिटल सेवा दी जाएगी, तिलहनों के उत्पादन को बढ़ावा देने का अभियान शुरू किया जाएगा। इसके अलावा देश भर में केमिकल फ्री नेचुरल फार्मिंग को बढ़ावा दिया जाएदगा। गंगा के किनारे 5 किलोमीटर के दायरे में इसके पहले चरण की शुरुआत की जाएगी। मौजूदा वित्त वर्ष में 2.37 लाख करोड़ रुपये के खाद्यान्न की एमएसपी के तहत किसानों से खरीद की गई है। वित्त मंत्री ने कहा कि साल 2023 को हमने मोटा अनाज वर्ष घोषित करने का फैसला लिया है। साल 2023 को सरकार ने मोटा अनाज वर्ष घोषित किया गया है। सरकार मोटे अनाज उत्पादों की राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय ब्रांडिंग पर जोर देगी। वहीं, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 44605 करोड़ रुपये की लागत से केन-बेतवा लिंक परियोजना को शुरू करने का ऐलान किया है।

आयकर: आयकर प्रस्तावों ने किया निराश, न स्लैब्स बदली न छूट बढ़ी, सिर्फ रिटर्न अपडेट करने का अधिकार मिला

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वर्ष 2022-23 के लिए आम बजट पेश किया। न तो आयकर स्लैब्स बदली गई है और न ही कोई बड़ी छूट दी गई है। हालांकि, करदाताओं को बड़ी राहत के तौर पर दो साल में अपने रिटर्न को अपडेट करने की अनुमति दी है। इसके अलावा राज्य सरकार के कर्मचारियों को भी नेशनल पेंशन स्कीम में योगदान पर 14 प्रतिशत टैक्स छूट देने का फैसला किया है।

यह रहेंगी आयकर की स्लैब्स

दोनों ही विकल्पों में 2.5 लाख रुपये तक की आय करमुक्त है। 2.5 लाख से 5 लाख रुपये तक की आय पर 5 प्रतिशत कर लगता है। हालांकि, आयकर अधिनियम की 87ए के तहत 12,500 रुपये तक की छूट दी गई है। इसका मतलब है कि दोनों ही विकल्पों में 5 लाख रुपये तक की आय पर कोई कर नहीं चुकाना पड़ता। नए विकल्प में 5 से 7.5 लाख रुपये पर 10 प्रतिशत और 7.5 लाख से 10 लाख रुपये की आय पर 15ब्र टैक्स है, जबकि पुराने विकल्प में 5 से 10 लाख रुपये की आय पर 20 प्रतिशत टैक्स लगता है। पुराने विकल्प में 10 लाख रुपये से अधिक की आय पर 30 प्रतिशत टैक्स लगता है। नई व्यवस्था में 10 से 12.5 लाख रुपये की आय पर 20 प्रतिशत और 12.5 लाख से 15 लाख रुपये पर 25 प्रतिशत टैक्स है। 15 लाख रुपये से अधिक की आय पर 30 प्रतिशत टैक्स लगता है। सेस और सरचार्ज की वजह से प्रभावी टैक्स रेट बढ़ जाता है।

रिटर्न अपडेट करने की अनुमति

अगर किसी करदाता ने अपनी सालाना आय की घोषणा में कोई गलती है तो वह इसे दो साल में सुधार सकता है। इसके लिए उसे अपना रिटर्न अपडेट करना होगा। इससे मुकदमेबाजी कम होगी। लोगों को दो साल में अपनी घोषित आय में सुधार करने की अनुमति मिलेगी। उन्हें आवश्यक कर का भुगतान करना होगा।

राज्य सरकार के कर्मचारियों को राहत

केंद्र सरकार के कर्मचारियों को नेशनल पेंशन स्कीम में योगदान पर 14 प्रतिशत तक की टैक्स राहत मिलती है, जबकि राज्य सरकार के कर्मचारियों को 10 प्रतिशत। इसमें बदलाव करते हुए राज्य सरकार के कर्मचारियों को भी 14 प्रतिशत टैक्स राहत देने का फैसला किया है। इससे राज्य सरकार के कर्मचारियों को भी केंद्र सरकार के कर्मचारियों की तरह एनपीएस में योगदान पर टैक्स छूट मिलेगी।

वर्चुअल संपत्ति पर 30 प्रतिशत टैक्स

नए प्रस्ताव के तहत वर्चुअल डिजिटल संपत्तियों (क्रिप्टो) पर 30 प्रतिशत टैक्स लगेगा। इन संपत्तियों को खरीदने पर किए गए खर्च के अलावा कोई छूट नहीं मिलेगी। 1 प्रतिशत टीडीएस भी लागू होगा। वर्चुअल करेंसी को गिफ्ट देने पर भी टैक्स चुकाना होगा।

लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन्स पर 15 प्रतिशत सरचार्ज

लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन्स पर 15 प्रतिशत सरचार्ज लगाया जाएगा। इस समय यह सिर्फ लिस्टेड शेयर और म्यूचुअल फंड्स की यूनिट्स पर लगता था। अब यह सभी संपत्तियों पर लगेगा।

आवास: गरीबों के लिए एक साल में बनाए जाएंगे 80 लाख मकान

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 2022-23 का बजट पेश कर रही हैं। निर्मला सीतारमण ने बजट पेश करते हुए कहा कि इस बजट में विकास को प्रोत्साहन दिया गया है। जिसके अंतर्गत एक साल में प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतगर्त देश भर में 80 लाख मकान बनाए जाएंगे।

बजट भाषण में वित्त मंत्री ने कहा कि पीएम आवास योजना के लिए वित्त वर्ष 2022-23 में 48 हजार करोड़ रुपये आवंटित किए जाएंगे। केंद्र और राज्य सरकारें मिलकर इस योजना को लोगों तक पहुंचाने काम करेगी। वित्त मंत्री ने बताया कि पीएम आवास योजना के तहत आवंटन की राशि को बढ़ाया गया है। पीएम आवास योजना के लिए केंद्र सरकार की ओर से 48000 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। वित्त मंत्री ने बताया कि 2022-23 में पीएम आवास योजना के तहत 80 लाख मकान तैयार किए जाएंगे और इस योजना के तहत 48000 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं।

शेयर बाजार: एलआईसी का आईपीओ जल्द, वित्त मंत्री सीतामरण ने दिए संकेत

भारतीय जीवन बीमा निगम एलआईसी का पहला पब्लिक इश्यू आईपीओ जल्द आएगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अपने बजट भाषण में यह संकेत दिया। सरकार एलआईसी के आईपीओ के माध्यम से पूंजी बाजार से लगभग एक लाख करोड़ रुपये जुटाना चाहती है। वित्त मंत्री ने लोकसभा में बजट-2022 पेश करते हुए कहा कि एयर इंडिया का विनिवेश सफल रहा है। कई अन्य सरकारी कंपनियों के भी आईपीओ जल्द आ सकते हैं। वित्त मंत्री के

बजट भाषण में एलआईसी के पहले पब्लिक इश्यू को लेकर किए गए एलान के पहले दीपम के सचिव तुहिन कांत पांडे कह चुके हैं कि सरकार इसे मार्च के अंत तक देश के शेयर बाजार में सूचीबद्ध करा लेगी।एलआईसी के आईपीओ को लेकर देश के अग्रणी मर्चेंट बैंकरों के साथ बातचीत हो चुकी है। सरकार ने हाल में सेबी को कहा है कि वह तीन हफ्ते के भीतर एलआईसी आईपीओ से जुड़े दस्तावेजों की जांच का काम पूरा कर ले।

नरेंद्र मोदी कार्यकाल में बदलीं दशकों पुरानी बजट परंपराएं

वाजपेयी सरकार में भी हुआ था बड़ा बदलाव

आज केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण नरेंद्र मोदी सरकार का 10वां आम बजट पेश करी। इस बीच आपको थोड़ा बजट इतिहास के बारे में जानना भी जरूरी है। हम आपको बता रहे हैं केंद्र में भाजापा की अगुआई वाली अटल बिहारी वाजपेयी से लेकर नरेंद्र मोदी सरकार ने बजट के साथ जुड़ी परंपराओं में क्या-क्या बदलाव किया।

आम बजट की तारीख बदल दी

साल 2014 में केंद्र में नरेंद्र मोदी की सरकार आने से पहले तक बजट फरवरी महीने की आखिरी तारीख 28 या 29 फरवरी को पेश किया जाता था। लेकिन मोदी सरकार ने इस परंपरा को बदला और आम बजट पेश करने की तारीख फरवरी के अंत के बजाय शुरुआत से कर दी। यानी बजट 1 फरवरी को पेश किया जाने लगा। यह बजट परंपराओं में एक बड़ा बदलाव था।

रेल बजट का आम बजट में विलय

परंपराओं को बदलने की दौड़ में नरेंद्र मोदी सरकार ने 1924 से चली आ रही रेल बजट की परंपरा को भी साल 2016 में बदलने का काम किया था। आपको बता दें कि 2016 से पहले रेल बजट को आम बजट से कुछ दिन पहले अलग से पेश किया जाता था, लेकिन 2016 में इसे बदलते हुए तत्कालीन केंद्रीय वित्त मंत्री अरुण जेटली ने रेल बजट को आम बजट के साथ मिलाकर पेश किया था। गौरतलब है कि देश का पहला रेल बजट वर्ष 1924 में पेश हुआ था।

लाल ब्रीफकेस की परंपरा तोड़ी

बजट इतिहास की परंपराओं को देखें तो 1947 से देश का आम बजट संसद में पेश होने के लिए एक लाल रंग के ब्रीफकेस में आया करता था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने साल 2019 में इस परंपरा में भी बदलाव किया और उसके बाद से लाल ब्रीफकेस के बजाय बजट लाल कपड़े में लपेटकर बही-खाते के रूप में लाया जाने लगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इस बदलाव पर कहा था कि देश का बजट दरअसल देश का बही-खाता होता है, इसलिए उन्होंने बजट के स्वरूप में बदलाव किया है।

मोदी ने रईसों पर लगाया सरचार्ज

बजट इतिहास की कई परंपराओं को बदलते हुए मोदी सरकार ने एक और बड़ा बदलाव किया। ये बदलाव था देश के रईसों पर लगने वाले वेल्थ टैक्स को हटा दिया गया और इसके बजाय सरचार्ज लगाया जाने लगा। 2016 के बजट में सरकार ने 1 करोड़ से अधिक की कमाई करने वाले अमीरों पर सरचार्ज 12 फीसदी से बढ़ाकर 15 फीसदी कर दिया।

वाजपेयी सरकार में बदला था समय

नरेंद्र मोदी सरकार से पहले भाजापा की अगुवाई वाली अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार ने भी बजट से जुड़ी एक पुरानी परंपरा को बदल दिया था। 1999 से पहले सभी बजट शाम के पांच बजे पेश किए जाते थे, लेकिन तत्कालीन वित्त मंत्री यशवंत सिन्हा ने 1999 में इसे परंपरा को तोड़ते हुए पहली बार आम बजट सुबह 11 बजे पेश किया था। तब से बजट लोकसभा में सुबह 11 बजे ही पेश हो रहा है।

शिक्षा: बजट में डिजिटल यूनिवर्सिटी और 60 लाख नई नौकरियां देने का वादा

आगामी वित्त वर्ष 2022-23 के लिए केंद्रीय बजट पेश करते हुए केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शिक्षा जगत, रोजगार, कौशल विकास और उद्यमिता प्रोत्साहन के लिए कई बड़ी एवं अहम घोषणाएं कीं। केंद्रीय वित्त मंत्री ने बजट घोषणा में 60 लाख नई नौकरियां देने का वादा किया है।

- आत्मनिर्भर भारत के अंतर्गत 16 लाख नौकरियां दी जाएंगी।
- वहीं, मेक इन इंडिया के तहत 60 लाख नौकरियां आएंगी।
- कौशल विकास कार्यक्रमों का नई सिरे से शुरू किया जाएगा, ताकि रोजगार के अवसर बढ़ाए जा सकें।
- नेशनल स्किल क्वालीफिकेशन प्रोग्राम उद्योगों की जरूरत के अनुसार बनाया जाएगा।
- राज्यों में संचालित औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्रों को भी जरूरत के अनुसार अपग्रेड किया जाएगा।
- देश के विभिन्न इलाकों में स्कूली बच्चों की पढ़ाई के दो साल महामारी के कारण बर्बाद हुए हैं।
- डीटीएच प्लेटफॉर्म पर प्रधानमंत्री ई-विद्या योजना के तहत एक चैनल एक क्लास योजना को 12 से 200 टीवी चैनल योजना तक बढ़ाया जाएगा।

- कक्षा पहली से लेकर 12वीं तक के बच्चों को उनकी क्षेत्रीय भाषा में शिक्षा सुविधा मुहैया कराई जाएगी।
- एक डिजिटल विश्वविद्यालय की स्थापना होगी, ताकि डिजिटल टूल्स को बेहतर उपयोग कर सकें।
- सभी भारतीय भाषाओं में टीवी, इंटरनेट, रेडियो और अन्य डिजिटल माध्यमों के जरिये गुणवत्ता पूर्ण शिक्षण सामग्री उपलब्ध कराया जाएगा, ताकि शिक्षकों को ई-कंटेंट मिल सके।
- शहरों में रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए काम किया जाएगा।
- पांच शीर्ष शिक्षण संस्थानों को सेंटर ऑफएक्सीलेंस का दर्जा दिया जाएगा।
- इन्हें 25 हजार करोड़ का विशेष फंड दिया जाएगा।
- एआईसीटीई इन संस्थानों के लिए फैकल्टी और प्रशिक्षण कार्यक्रमों की देखरेख करेगा।
- दो लाख आंगनबाड़ी को अपग्रेड किया जाएगा।
- अगले पांच साल में 30 लाख अतिरिक्त नौकरियां सृजित करने का वादा।

स्वास्थ्य: मानसिक स्वास्थ्य की दिशा में बड़ा कदम, नेशनल टेलीमेंटल सेंटर बनाने की घोषणा

दुनियाभर में तेजी से बढ़ती मानसिक स्वास्थ्य की समस्याओं को ध्यान में रखते हुए भारत सरकार ने बजट 2022-23 में इस दिशा में बड़े कदम की घोषणा की है। केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट के दौरान बताया कि मानसिक स्वास्थ्य को ध्यान में रखते देश में नेशनल टेलीमेंटल सेंटर शुरू किए जाएंगे। आईआईआईटी बैंगलोर इसके लिए तकनीकि सुविधाएं उपलब्ध कराएगा। इसमें स्वास्थ्य प्रदाताओं और स्वास्थ्य सुविधाओं की डिजिटल रजिस्ट्रियां, विशिष्ट स्वास्थ्य पहचान और लोगों तक बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं की पहुंच को सुनिश्चित किया जाएगा।

क्या कहते हैं मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ

मानसिक स्वास्थ्य की दिशा में सरकार द्वारा उठाए गए इस कदम की घोषणा करते हुए वरिष्ठ मनोरोग विशेषज्ञ डॉ सत्यकांत त्रिवेदी कहते हैं, जिस तरह से पिछले कुछ वर्षों में मानसिक स्वास्थ्य की समस्याओं में तेजी से इजाफा देखा गया है, ऐसे में टेलीमेंटल सेंटर शुरू किए जाने की घोषणा निश्चित ही सराहनीय कदम है। इससे दूरदराज के क्षेत्रों में रह रहे लोग, जहां मनोचिकित्सकों का आसानी से पहुंच नहीं है, उनको बहुत लाभ मिलने वाला है।जनसंख्या के हिसाब से बात करें तो देश अभी भी मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों की कमी से जूझ रहा है, जिसके कारण लोगों को काफी असुविधाएं होती है, इस दिशा में भी यह कदम काफी महत्वपूर्ण होने वाला है। टेलीमेंटल सेंटर शुरू होने से लोगों की समस्या को समझना और उनकी काउंसिलिंग करना आसाना होगा। लोगों की समस्याओं का समय रहते निदान हो सकेगा, जिससे मानसिक स्वास्थ्य को लेकर आने वाले वर्षों में बड़ा संकट नजर आ रहा है, उसे कम करने में मदद मिल सकेगी। मानसिक स्वास्थ्य के लिए अभी भी काफी स्पेस है, जिसपर सरकार को ध्यान देना चाहिए। योजनाओं के क्रियान्वयन को लेकर भी अगर सरकार तेजी से काम करे तो इसका ज्यादा लाभ मिल सकेगा।

संपादकीय

बेहतरी के संकेत

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के उद्बोधन और संसद में आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट पेश होने के साथ ही बजट सत्र का आगाज हो गया। यह बजट सत्र ऐसे मोड़ पर आयोजित हो रहा है, जब देश तेजी और मजबूती के साथ अर्थव्यवस्था की बहाली की दिशा में बढ़ने को लालायित है। लोग उम्मीदों से भरे हुए हैं। राष्ट्रपति ने अपने उद्बोधन में परंपरागत रूप से सरकार के बेहतर कार्यों का हवाला दिया है। विशेष रूप से महिला सशक्तीकरण और टीकाकरण अभियान की प्रशंसा वाजिब ही है। इसमें कोई शक नहीं कि हमारा विशाल देश इस मुश्किल दौर में भी बेहतर प्रदर्शन की पूरी कोशिश कर रहा है, पर हमें और बेहतर करने की ओर बढ़ना है। शायद इसी संकल्प के साथ आर्थिक सर्वेक्षण सदन में पेश किया गया है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आर्थिक सर्वे में वित्त वर्ष 2022 के लिए 9.2 प्रतिशत जीडीपी विकास दर का अनुमान लगाया है। अनुमान है, भारतीय अर्थव्यवस्था साल 2022-23 के दौरान 8 से 8.5 प्रतिशत की दर से आगे बढ़ेगी। यह बात छिपी नहीं है कि पिछले वर्ष अच्छे नहीं बीते हैं। कोरोना व लॉकडाउन की वजह से बड़े पैमाने पर अर्थव्यवस्था को क्षति पहुंची है, इसीलिए उसकी स्थिति सामान्य होने में वक्त लग रहा है।

> सरकार के आर्थिक सलाहकारों की टीम में बार-बार परिवर्तन को रोकना चाहिए। एक विशेषज्ञ टीम को अर्थव्यवस्था को उबारने की जिम्मेदारी दी जाए और उसे काम करने के लिए समय एवं स्वतंत्रता दी जाए, ताकि वह टीम बेहतर परिणाम दे सके। आर्थिक सर्वेक्षण अगर आगामी दिनों में दृढ़ नीतियों और सरकार की दृढ़ आर्थिक सलाहकार टीम को प्रेरित करे, तो आम आदमी के हित में देश की अर्थव्यवस्था के कायाकल्प में आसानी होगी।

आर्थिक सर्वेक्षण में पेश आंकड़े निस्संदेह आशा जगाते हैं। कृषि क्षेत्र की विकास दर 3.9 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया है। यह एक महत्वपूर्ण कामयाबी तो रहेगी ही, लेकिन भारत जैसे कृषि प्रधान देश में हमें अब पांच प्रतिशत से ज्यादा की विकास दर की दिशा में गंभीरता से काम करना चाहिए। बजट में कृषि आय बढ़ाने के लिए विशेष प्रयास दिखें, तो आश्चर्य नहीं करना चाहिए। कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को आज बड़े पैमाने पर मदद की जरूरत है, ताकि देश के कुल विकास में कृषि का योगदान बढ़े। औद्योगिक विकास दर 11.8 फीसदी रहने का अनुमान है और सेवा क्षेत्र 8.2 फीसदी की दर से वृद्धि करेगा। कंस्ट्रक्शन सेक्टर में विकास दर 10.7 प्रतिशत रहने का अनुमान है, लेकिन यह बहुत हद तक देश की समग्र माली हालत पर भी निर्भर करेगा। कुल मिलाकर, हमारा आर्थिक सर्वे बुनियादी रूप से बेहतर आर्थिक संकेत दे रहा है। ऐसा लगता है कि आगामी महीनों में हम अर्थव्यवस्था में वांछित तेजी लौटा सकते हैं। सर्वे में महंगाई पर चिंता जताई गई है और उसके लिए बाह्य कारणों को जिम्मेदार ठहराया जा रहा है। मतलब ईंधन की कीमतों की ओर इशारा स्पष्ट है। हालांकि, यह सरकार की जिम्मेदारी है कि वह बाह्य कारणों को हावी न होने दे। महंगाई को नियंत्रित रखना इसलिए भी जरूरी है कि क्यों यह एक अकेली ऐसी वजह है, जो अर्थव्यवस्था को चोट पहुंचा सकती है। देश के लिए कच्चा तेल, निवेश, विनिवेश, रोजगार और विकास की चुनौती बरकरार है। ऐसी चुनौतियों से बहुत मजबूती और मनोयोग से निपटने की जरूरत है। सरकार के आर्थिक सलाहकारों की टीम में बार-बार परिवर्तन को रोकना चाहिए। एक विशेषज्ञ टीम को अर्थव्यवस्था को उबारने की जिम्मेदारी दी जाए और उसे काम करने के लिए समय एवं स्वतंत्रता दी जाए, ताकि वह टीम बेहतर परिणाम दे सके। आर्थिक सर्वेक्षण अगर आगामी दिनों में दृढ़ नीतियों और सरकार की दृढ़ आर्थिक सलाहकार टीम को प्रेरित करे, तो आम आदमी के हित में देश की अर्थव्यवस्था के कायाकल्प में आसानी होगी।

> इस संकट के बीच समृद्धि की कौन सी रणनीति है या आय-व्यय की क्या रूपरेखा होगी, इस पर भी आर्थिक सर्वे कुछ विशेष नहीं कहता। इसमें वही विकास दर दिख रहे हैं, जिसका आकलन पूर्व में रिजर्व बैंक कर चुका है। यह बहुत महत्वपूर्ण नहीं है। सबसे महत्वपूर्ण था, जरूरी सवालों से टकराना, जिसमें आर्थिक सर्वे पूरी तरह से सफल नहीं दिखता।

रवि एस श्रीवास्तव, निदेशक, सेंटर फॉर इम्प्लॉयमेंट स्टडीज

संकट काल में धीमा सुधार

सोमवार को पेश आर्थिक सर्वे कमोबेश उन्हीं कदमों का समर्थन करता है, जो केंद्र सरकार ने पिछले दो वर्षों में आर्थिक प्रबंधन की दिशा में उठाए हैं। सर्वे बताता है कि केंद्र सरकार ने जिस तरह से आपूर्ति व्यवस्था की तरफ ध्यान दिया है, विनिर्माण क्षेत्र में प्रोत्साहनों के जरिये सुधार लाने के प्रयास किए हैं, महंगाई को नियंत्रण में रखने की कोशिश की है और आत्मनिर्भर भारत की तरफ कदम बढ़ाए हैं, उसका कमोबेश सार्थक असर पड़ा है। इसमें विकास दर के जो अनुमान लगाए गए हैं, वे भी मोटे तौर पर ठीक जान पड़ते हैं। सर्वे यह भी बता रहा है कि कोरोना महामारी के कारण पैदा हुए आर्थिक संकट का कृषि क्षेत्र की समृद्धि दर पर कोई खास प्रभाव नहीं पड़ा है, बल्कि सेवा क्षेत्र इससे कहीं ज्यादा प्रभावित हुआ है। इतना ही नहीं, सर्वे के इस मूल्यांकन पर भी शायद ही किंतु-परंतु हो कि चावल, गेहूं के इतर हमें तेलहन और दलहन जैसी फसलों के उत्पादन पर विशेष ध्यान लगाना चाहिए, क्योंकि इनका हम आयात करते हैं। इसका अर्थ है कि कहीं अधिक संतुलित फसल चक्र अपनाने की वकालत आर्थिक सर्वे कर रहा है।

फिर भी, यह बहुत ज्यादा आशा नहीं जगाता, और इसकी कुछ ठोस वजहें हैं। मसलन, आर्थिक सर्वे सरकार के आर्थिक प्रदर्शन का स्वतंत्र लेखा-जेखा होता है, जिसे मुख्य आर्थिक सलाहकार तैयार करते हैं। इसका बजट से कोई सीधा संबंध नहीं होता। यही वजह है कि पिछले कुछ वर्षों में एकाध अपवाद को छोड़ दें, तो आर्थिक सर्वे और बजट में कोई सामंजस्य नहीं दिखता। कई बार तो ऐसा भी होता है कि आर्थिक सर्वे में जिन समाधानों को रखा जाता है, बजट उससे अलग रुख अपनाता है। इस बार क्या होगा, इसका पता तो आज चलेगा, जब वित मंत्री निर्मला सीतारमण 2022-23 का बजट पेश करेंगी, मगर आर्थिक सर्वे के साथ दिक्कत यह हो गई कि इसे पेश करने से ऐन पहले मुख्य आर्थिक सलाहकार की विदाई हो गई और वी अनंत नागेश्वरन के रूप में नई नियुक्ति की गई।

आर्थिक सर्वे इस तथ्य पर भी बहुत रोशनी नहीं डालता कि साधन कहां से जुटाए जाएं और राजस्व का कितना इस्तेमाल हो? राजकोषीय घाटे पर रोक लगाने या उसे ढीला छोड़ने की कोई स्पष्ट रूपरेखा भी इसमें नहीं है। दरअसल, महामारी से पहले ही निवेश और खपत की गति में शिथिलता आने लगी थी। वित्तीय वर्ष 2019-20 में सरकार ने उद्योग जगत को सवा लाख करोड़ रुपये का प्रोत्साहन भी दिया। यह रकम कंपनियों के बचत और लाभ में तब्दील तो हुई, लेकिन इससे निवेश नहीं बढ़ा। नतीजतन, आज भी यह सवाल बना हुआ है कि निवेश को किस तरह से बढ़ाया जाए और क्या यह उन स्थितियों में बढ़ सकता है, जब निजी मांग और उपभोग में तेजी ही नहीं दिख रही?

एक अन्य सवाल आर्थिक सुधार का है। पिछले मुख्य आर्थिक सलाहकार की मान्यता थी कि कोरोना के बाद 'वी' आकार में सुधार हो रहा है, यानी संकट के समय वृद्धि दर कम हुई, लेकिन अब यह तेजी से बढ़ रही है। इसके विपरीत एक धारणा यह है कि आर्थिक सुधार 'के' आकार में हो रहा है। इसका अर्थ है कि ऊपर के घटक, यानी बड़ी इकाइयां तो तेजी से सुधार की राह पर हैं, लेकिन छोटी इकाइयों में ऐसे संकेत नहीं दिख रहे हैं। उनके उत्पादन, उनकी आमदनी और बचत पहले की तरह ही लुढ़की हुई हैं। अगर सुधार 'वी' सेप में नहीं हो रहा है, जिसकी पुष्टि अन्य आंकड़े भी कर रहे हैं, तो कोरोना काल में अनौपचारिक एवं छोटे उद्यमों ने बहुत ज्यादा घाटा बर्दाश्त किया है। चूंकि ये इकाइयां गैर-कृषि क्षेत्र में 85 फीसदी से ज्यादा रोजगार का सृजन करती हैं और इन्होंने संकट का बोझ ज्यादा उठाया है, इसलिए अर्थव्यवस्था में 60 से 80 फीसदी लोगों की आमदनी कम हुई है।

'प्राइस' नामक संस्था ने भी खपत को लेकर दो दिन पहले जारी अपने सर्वे में बताया है कि पिछले पांच वर्षों में 60 प्रतिशत घरों की आमदनी कम हुई है। शीर्ष के 20 फीसदी परिवार ही ऐसे हैं, जिनकी आमदनी में सबसे ज्यादा 35 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। इसी कारण, कुल आमदनी में उनका अनुपात 50 प्रतिशत से बढ़कर 56 प्रतिशत हो गया है। तो, इन परिस्थितियों में अर्थव्यवस्था मांग को कैसे संजोएगी और अगर वह ऐसा नहीं कर पाती है, तो एक सीमा के बाद निजी निवेश में कैसे तेजी आएगी? हालांकि, यह धारणा भी है कि लोगों का एक वर्ग ऐसा है, जिसने पिछले दो वर्षों से खर्च नहीं किया है और जैसे-जैसे अर्थव्यवस्था खुलेगी, उनकी खरीदारी बढ़ेगी। मगर इससे उत्पादन कितना बढ़ेगा और मांग की स्थिति किस हद तक टिकाऊ रह सकेगी, इसका जवाब भी आर्थिक सर्वे नहीं दे रहा।

भारतीय अर्थव्यवस्था को रोजगार की दृष्टि से देखना भी जरूरी है। देश में रोजगार का संकट साल 2019-20 के पहले से ही गंभीर था। पिछले दो वर्षों में तो यह और गंभीर हो गया है। अभी तक के आंकड़े बताते हैं कि उत्पादन में तो सुधार हुआ है और यह 2019 के स्तर के करीब-करीब बराबर हो गया है, मगर रोजगार की दर पहले के मुकाबले काफी कम है। लिहाजा, रोजगार सृजन पर जोर देने की दरकार है।

साफ है, आर्थिक सर्वे इन महत्वपूर्ण सवालों पर पर्याप्त रूप से ध्यान नहीं देता। सरकार की अब तक की उपलब्धियों को इसमें गिनाने की कोशिश की गई है, लेकिन तमाम खुशफहमियों के बीच मांग, निवेश और रोजगार के संकट से जुड़े सवाल टाल दिए गए हैं। फिर, इस संकट के बीच समृद्धि की कौन सी रणनीति है या आय-व्यय की क्या रूपरेखा होगी, इस पर भी आर्थिक सर्वे कुछ विशेष नहीं कहता। इसमें वही विकास दर दिख रहे हैं, जिसका आकलन पूर्व में रिजर्व बैंक कर चुका है। यह बहुत महत्वपूर्ण नहीं है। सबसे महत्वपूर्ण था, जरूरी सवालों से टकराना, जिसमें आर्थिक सर्वे पूरी तरह से सफल नहीं दिखता।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

एस श्रीनिवासन, वरिष्ठ पत्रकार

आंध्र प्रदेश में बनाए गए खूब जिले और उनके नाम

पिछले हफ्ते एक नाटकीय फैसले में आंध्र प्रदेश सरकार ने 13 नए जिले बनाने का फैसला लिया, अब राज्य में कुल 26 नए जिले हो गए हैं। राज्य में संसदीय सीटें 25 ही हैं। मुख्यमंत्री वाईएस जगनमोहन रेड्डी ने 2019 के विधानसभा चुनावों के दौरान नए जिले बनाने का वादा किया था। देखने में तो यह चुनावी वादे को पूरा करना भर लग रहा है, पर अंततः इससे नौकरशाही का विस्तार होने और करदाताओं पर बोझ पड़ने की आशंका है। हालांकि, राज्य सरकार का दावा है कि इस कदम से राज्य प्रशासन की दक्षता में सुधार की संभावना है।

नए जिलों के निर्माण और कुछ जिलों के नामकरण ने भी राज्य में नया कोलाहल पैदा कर दिया है। नवगठित जिलों के नामकरण की मांग को लेकर कई समूह और वर्ग आगे आ रहे हैं। श्रीकाकुलम शहर ही श्रीकाकुलम जिले का मुख्यालय बना हुआ है। विजयनगरम शहर के साथ भी ठीक ऐसा ही है। विशाखापट्टनम जिले के अरकू क्षेत्र को सीताराम राजू जिले का नाम दिया गया है। अनंतपुर जिले का नाम बदलकर श्री सत्य साईं जिला कर दिया गया है। पुट्टपर्थी सत्य साईं जिले का मुख्यालय होगा। तिरुपति के अलावा अब श्री बालाजी भी जिला होगा। एक जिले का नाम स्वतंत्रता सेनानी और महान कृषि मंत्री स्वर्गीय काकानी वेंकटरत्नम की स्मृति में रखने की मांग हो रही है। अब एनटीआर जिला और वाईएसआर कडप्पा जिला भी है, इन जिलों के नाम राज्य के दो पूर्व मुख्यमंत्रियों के नाम पर रखे गए हैं। जाहिर है, जिलों का नाम स्थानीय राजनीतिक संवेदनाओं व समर्थन आधार को ध्यान में रखते हुए रखा गया है। मुख्यमंत्री को उम्मीद है कि इस कवायद से कुछ राजनीतिक फायदा मिलेगा।

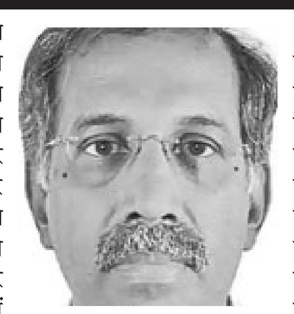

एक बार नए जिलों के नामकरण की प्रक्रिया शुरू होने के बाद एक नया शोर शुरू हो गया है, क्योंकि लोग तरह-तरह के नाम सुझा रहे हैं। राष्ट्रीय ध्वज डिजाइनर पिंगली वेंकय्या, भारत के पूर्व राष्ट्रपति नीलम संजीव रेड्डी और स्वतंत्रता सेनानी कन्नेगंती हनुमंथु के नाम पर जिले बनाने की मांग हो रही है। कृष्णा जिले के भाटलापेनुमरु में पैदा हुए वेंकय्या ने 1 अप्रैल, 1921 को विजयवाड़ा की अपनी यात्रा के दौरान ध्वज को डिजाइन किया और इसे महात्मा गांधी को भेंट किया था। भारत में जिला प्रशासन की सबसे महत्वपूर्ण इकाई रहा है। मौर्य काल से लेकर मुगल काल और ब्रिटिश काल तक जिला बनाने की प्रथा कमोबेश एक समान रही है। मूल रूप से जिला कलक्टर राजस्व प्रशासन के प्रभारी थे, और जिला मजिस्ट्रेट आपराधिक न्याय प्रणाली के। एक जिला कलक्टर भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी द्वारा धारित पद सबसे प्रतिष्ठित व्यक्ति होता है, क्योंकि वह सचमुच अपनी प्रशासनिक इकाई का शासक होता है। मुख्यमंत्री कलक्टर की इस भूमिका को समझते हैं, इसलिए उनकी नियुक्तियों एवं तबादलों में भरपूर रुचि लेते हैं। जिला कलक्टरों की भूमिका काफी महत्वपूर्ण होती है। जिले का समग्र शासन उनकी दक्षता पर निर्भर करता है। इसलिए आश्चर्य नहीं कि उन्हें समग्र रूप से राजनीतिक वर्ग द्वारा लुभाया जाता है। यहां तक कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी जिला अधिकारियों के साथ सीधे कई दौर की बैठकें की हैं, ताकि सुनिश्चित हो सके कि केंद्रीय कल्याणकारी योजनाएं मंजिल तक पहुंचें। नया जिला बनाने या मौजूदा जिलों को बदलने या खत्म करने की शक्ति राज्य सरकार के पास है। जगन मंत्रिमंडल ने पिछले हफ्ते इस प्रस्ताव को मंजूरी दी थी और नए जिलों को जल्द ही अधिसूचित किए जाने की संभावना है।

जगनमोहन रेड्डी का शासन रिकॉर्ड कमजोर रहा है। राज्य के लिए नई राजधानी पर अनिर्णय इसका एक उदाहरण है। जाहिर तौर पर वह अपने चुनावी वादे को पूरा करके नया अध्याय लिखना चाहते हैं। आखिरकार, उनके पड़ोसी राज्य तेलंगाना के मुख्यमंत्री चंद्रशेखर राव ने कई नए जिलों को तराशकर एक मिसाल कायम की है और चुनाव से पहले इसे प्रभावी ढंग से चर्चा के बिंदु के रूप में इस्तेमाल भी किया। पर क्या इस कदम से वास्तव में आंध्र प्रदेश के शासन में सुधार होगा? यह एक बड़ा सवाल है। जब राजनेता न्यूनतम सरकार और अधिकतम शासन की दुहाई देते हैं, तब नए जिले बनाना एक विपरीत काम है। करदाताओं के पैसे की कीमत पर नए-नए जिलों का निर्माण ऐसा ही एक उदाहरण है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

श्रीमती अंजली जैन की कलम से...

बिन बोले, शब्दों की व्याख्या होती है। समझ आता है नजरों में कितनी आग लगी है।

-अंजली जैन
7024460938

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे
9827806026, 7869620239

श्रीकंचनपथ

छत्तीसगढ़

खास खबर

चलने में असमर्थ वृद्धों को एक प्रयास की सेवा टोली अपने वाहन से ले जाकर करा रही है टीकाकरण

रायपुर। कोरोना पर प्रभावी नियंत्रण के लिए शहर की संस्थाओं द्वारा अपने–अपने स्तर पर जन–जागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा हैं। आज जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में सेवा टोला आस एक प्रयास संस्था के कार्यकर्ताओं के द्वारा रमण मंदिर वार्ड, चूनाभट्टी और फाफाडीह के घनी आबादी वाले क्षेत्रों में घर–घर पहुंचकर शारीरिक रूप से कमजोर और निर्धन लोगों को अपने दुपहिया वाहन में बिठाकर लोगों को टीकाकरण केंद्र ले जाया जा रहा है। इस मुहिम में 15 साल के ऊपर के बच्चों को टीकाकरण के दोनों डोज़ और 60 वर्ष तक के बुजुर्गों को बूस्टर डोज़ लगवाने के लिए प्रेरित भी किया जा रहा है। इस जन–जागरूकता अभियान के दौरान संस्था के कार्यकर्ताओं के द्वारा मास्क वितरित कर सैनिटाइजर का उपयोग नियमित करने एवं उचित दूरी बनाए रखने हेतु भी प्रेरित किया जा रहा है अभियान के दौरान सेवा टोली प्रमुख सुरेंद्र बैरागी के साथ साईं राव, जय वैष्णव, नारायण वैष्णव, जय हेमनानी, पार्वती सिन्हा, विद्या साहू आदि उपस्थित रहे।

किसानों की समस्या को लेकर जिला पंचायत अध्यक्ष गीता घासी साहू ने सौंपा ज्ञापन

रायपुर। ग्राम जोशीलमती सेवा सहकारी समिति में जिला पंचायत अध्यक्ष गीता घासी साहू के नेतृत्व में ज्ञापन सौंपा गया।जिसमें भूपेश बघेल मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ शासन रायपुर छत्तीसगढ द्वारा कलेक्टर/ तहसीलदार/ राजस्व अधिकार विषय समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की समय वृद्धि एवं असमय बारिश से फसल को नुकसान का मुआवजा शीघ्र प्रदान करने व अन्य मांग बाबत छत्तीसगढ़ भाजपा किसान मोर्चा द्वारा निम्न मांग करती है जिसमें धान खरीदी की तिथि 15 फरवरी तक बढ़ाया जाय. रबी फसल हेतु खाद की उपलब्धता सुनिश्चित करें ,असमय वृष्टि ओला एवं बारिश से हुई नुकसान की क्षतिपूर्ति तत्काल प्रदान किया जाए, लंबित स्थाई विद्युत कनेक्शन तत्काल दिया जाए, पिछले वर्ष की धान की बकाया राशि एवं 2 वर्ष की बकाया बोनस शीघ्र प्रदान करें अत: आपसे आग्रह है।

जल जीवन मिशन में धमतरी जिला घरों में नल कनेक्शन देने में राज्य भर में पहले पायदान पर

अब तक 56 हजार 786 घरों में दिए गए नल कनेक्शन

कलेक्टर ने जल जीवन मिशन के कार्यों में और गति लाने दिए निर्देश

ज़िला जल और स्वच्छता समिति की बैठक में

श्रीकंचनपथ न्यूज

धमतरी । धमतरी ज़िले में जल जीवन मिशन के तहत हर घर जल उपलब्ध कराने रेट्रोफिटिंग योजना के तहत अब तक 56 हजार 786 घरों में नल कनेक्शन दिए जा चुके हैं। कलेक्टर श्री पी.एस. एल्मा हर मंगलवार को ज़िला जल और स्वच्छता समिति की बैठक लेकर जल जीवन मिशन के तहत रेट्रोफिटिंग योजना, सिंगल विलेज योजना, सोलर आधारित पेयजल योजना, समूह जल प्रदाय योजनाओं की प्रगति की लगातार समीक्षा कर रहे हैं। इसी का नतीजा है कि रेट्रोफिटिंग योजना के तहत धमतरी ज़िला घरों में नल कनेक्शन प्रदाय करने में प्रदेश में पहले स्थान पर है।

अब तक रेट्रोफिटिंग में 262 लक्ष्य के विरुद्ध 253 योजनाओं का कार्यादेश जारी किया गया है। इसमें कुरूद में 112, धमतरी में 65, मगरलोड में 40 और नगरी में 36 योजनाओं के कार्यादेश सम्मिलित है। आज की ज़िला जल और स्वच्छता समिति की बैठक में 11 सिंगल विलेज योजना की तकनीकी स्वीकृति प्राप्त योजनाओं का प्रशासकीय स्वीकृति प्राप्त करने के लिए प्रस्ताव रखा गया, जिसे अनुमोदित किया गया। इसके साथ ही कुरूद, नगरी उपखंड स्तरीय जल परीक्षण प्रयोगशाला को छ ाठस् में परिवर्तित करने के लिए आवश्यक उपकरणों इत्यादि तथा बेट्रोलॉजिकल परीक्षण के भ्2 वॉइल्स क्रय करने की दर विश्लेषण एवं स्वीकृति के लिए प्रस्तावित किया गया।

रेट्रोफिटिंग नल जल प्रदाय योजना की 143 योजना का थर्ड पार्टी इन्वेस्टिगेशन के लिए 49.59 लाख का प्रशासकीय स्वीकृति, 105 योजना के लिए 49.24 लाख का प्रस्ताव रखा गया। इसी तरह सिंगल विलेज योजना के 119 कार्यों के थर्ड पार्टी इन्वेस्टिगेशन हेतु प्रशासकीय स्वीकृति के लिए 35.09 लाख का प्रस्ताव और सोलर आधारित 80 नल जल प्रदाय योजना के लिए टीपीआई हेतु प्रशासकीय स्वीकृति के लिए 3.69 लाख का प्रस्ताव रखा गया। इसे की बैठक में अनुमोदित किया गया। जल जीवन मिशन के गतिविधियों की वीडियोग्राफी कर पांच मिनट की फिल्म तैयार करना है। इसके दर का अनुमोदन और भुगतान के लिए समिति ने बैठक में प्रस्ताव अनुमोदित किया। कलेक्टोरेट सभाकक्ष में सुबह 10 बजे से आहूत इस बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी ज़िला पंचायत श्रीमती प्रियंका महोबिया सहित कार्यपालन अभियंता लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी और समिति के अन्य सदस्य अधिकारी उपस्थित रहे ।

कोविड-19 टीकाकरण के द्वितीय डोज के लिए शेष बचे हितग्राहियों का टीकाकरण कर शतप्रतिशत लक्ष्य हासिल करें - कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

बालोद। कलेक्टर जनमेजय महोबे ने कहा कि कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाव व रोकथाम हेतु जिले में कोविड–19 टीकाकरण के द्वितीय डोज के लिए शेष बचे हितग्राहियों का टीकाकरण कर शतप्रतिशत लक्ष्य हासिल करें।

महोबे आज संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित स्वास्थ्य विभाग की बैठक में निर्देशित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाव व रोकथाम हेतु कोविड–19 टीका का दोनो डोज लगवाना जरूरी है। उन्होंने पात्र हितग्राहियों के कोविड–19 टीकाकरण के लिए प्लान बनाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने होम आइसोलेशन में रहकर स्वास्थ्य लाभ ले रहे एवं अस्पतालों में उपचार करा रहे कोरोना संक्रमित मरीजों की स्वास्थ्य की स्थिति की जानकारी ली और बेहतर उपचार के निर्देश दिए। उन्होंने होम आइसोलेशन के मरीजों का नियमित स्वास्थ्य संबंधी जानकारी लेने के निर्देश दिए।

उन्होंने जिले में कोविड–19 से मृत व्यक्तियों के डेथ ऑडिट के संबंध में भी जानकारी ली। कलेक्टर ने जिले के 15 वर्ष से 18 वर्ष आयुवर्ग के टीकाकरण एवं फ्रंटलाइन वर्कर, हेल्थवर्ककर और 60 वर्ष से अधिक आयुवर्ग के कोमार्बिड व्यक्तियों के प्रीकॉशन डोज की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि कोई भी पात्र हितग्राही कोविड–19 टीकाकरण से वंचित नहीं होना चाहिए।

जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ.एस.के.सोनी ने बताया कि जिला मुख्यालय बालोद के पुराना टाउन हॉल में 01 फरवरी 2022 से प्रात: 10 बजे से रात्रि 10 बजे तक 15 वर्ष से 18 वर्ष के बच्चों, 18 वर्ष व उससे अधिक आयु वर्ग के नागरिकों के प्रथम व द्वितीय डोज तथा स्वास्थ्य कार्यकर्ता, अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ता एवं 60 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के कोमार्बिड नागरिकों के प्रीकाशन डोज हेतु कोविड–19 टीकाकरण किया जाएगा। उन्होंने बताया कि टीकाकरण के लिए वैक्सीनेटर तथा अन्य कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है।

जिला टीकाकरण अधिकारी ने बताया कि अब तक 15 वर्ष से 18 वर्ष आयुवर्ग के 45 हजार 953 बच्चो का प्रथम डोज का टीकाकरण किया जा चुका है, जो लक्ष्य का 94 प्रतिशत है। इसी प्रकार 4,175 हेल्थकेयर वर्कर को प्रीकॉशन डोज लगाया जा चुका है, जो लक्ष्य का 57 प्रतिशत है। 2338 फ्रंटलाइन वर्कर को प्रीकॉशन डोज लगाया जा चुका है। 60 वर्ष से अधिक आयुवर्ग के कोमार्बिड 1785 नागरिकों को प्रीकॉशन डोज लगाया जा चुका है।

निगम क्षेत्र में 3 दर्जन स्थानों पर प्रतिदिन जलाए जा रहे अलाव

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा अपने सभी जोन के प्रमुख चौक–चौराहों अधिक आवाजाही वाले स्थानों, रेलवे स्टेशन बस स्टैण्ड, प्रमुख सार्वजनिक स्थानों सहित लगभग 03 दर्जन स्थलों पर प्रतिदिन अलाव जलवाए जा रहे हैं, बढ़ी हुई ठंड में लोग अलाव का सहारा ले रहे हैं तथा ठंड से राहत प्राप्त कर रहे हैं। यहाँ उल्लेखनीय है कि आयुक्त प्रभाकर पाण्डेय ने बढ़ती ठंड को देखते हुए विगत दिनों निगम के सभी जोन कमिश्नरों को निर्देश दिए थे कि निगम क्षेत्र के सभी प्रमुख चौक–चौराहों, अधिक आवाजाही वाले स्थानों, रेलवे स्टेशन, बस स्टैण्ड सहित क्षेत्र के प्रमुख सार्वजनिक स्थानों में नियमित रूप से अलाव जलाए जाएं, पूर्व में जलाए जा रहे अलाव के अतिरिक्त आवश्यकतानुसार इनकी संख्या में वृद्धि की जाए, शाम होते ही निर्धारित समय पर अलाव जले तथा अलाव हेतु ईंधन की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। निगम अमले द्वारा क्षेत्र के सभी प्रमुख चौक–चौराहों व सार्वजनिक स्थानों में शाम होते ही नियमित रूप से अलाव जलाए जा रहे हैं, बढ़ी हुई ठंड के इस मौसम में राहगीर, यात्री व अन्य जरूरतमंद लोग इन अलाव का सहारा ले रहे हैं।

वन संवर्धन के कार्य को बढ़ावा देने जोर : वन विद्यालय में 78 वां दीक्षांत समारोह सम्पन्न

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश के वन विद्यालय जगदलपुर में आज 78 वें दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक तपेश झा ने प्रशिक्षण प्राप्त सभी वनरक्षकों को वन और वन्य प्राणियों की रक्षा और संवर्धन की जिम्मेदारी को पूरा करने के लिए प्रेरित किया।

वन संवर्धन के कार्य को बढ़ावा देने जोर

उन्होंने कहा कि यहां प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले वन रक्षकों ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है। यहां प्रशिक्षण में बेहतर प्रदर्शन के आधार पर वे कार्यक्षेत्र में भी निरंतर बेहतर से बेहतर कार्य करें। उन्होंने वन संवर्धन के कार्य को मिल–जुलकर करने पर जोर दिया। यहां प्रशिक्षण के दौरान मिली अनुशासन की आदत को अपने जीवन में सदैव आत्मसात रखने की अपील की। इस अवसर पर मुख्य वन संरक्षक श्री मोहम्मद शाहिद ने कहा कि यहां मिले प्रशिक्षण के बाद स्वयं में आए अंतर को भली–भांति अनुभव किया जा सकता है। उन्होंने वन रक्षकों को विभाग की नींव बताते हुए कहा कि उनके कार्यों के आधार पर ही पूरे विभाग की छवि का निर्माण होगा, इसलिए वन रक्षकों के पास बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। उन्होंने आशा व्यक्त करते हुए कहा कि यहां मिले प्रशिक्षण को सभी वन रक्षक अपने–अपने कार्यक्षेत्र में निपुणता के साथ परीणित करेंगे। उन्होंने बताया कि यह पहला अवसर है, जब 12 महिला वन रक्षकों सहित सभी 37 वन रक्षकों ने निर्धारित समय के भीतर अपना प्रशिक्षण पूर्ण किया। इसके साथ ही यहां आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान भी सभी प्रशिक्षुओं ने कुशल कलाकारों की तरह प्रदर्शन किया। मुख्य वन संरक्षक, वन्य प्राणी ए.के. श्रीवास्तव ने वानिकी को एक वृहद विषय बताते हुए कहा कि इसमें सीखने की अनंत संभावनाएं हैं। वन विद्यालय की संचालक श्रीमती दिव्या गौतम ने प्रशिक्षण सत्र के संबंध में जानकारी दी। इस अवसर पर प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र सहित खेल–कूद में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया।

मनरेगा के तहत श्रमिकों को रोजगार देने में राजनांदगांव जिला प्रदेश में अव्वल नंबर

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव । महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी योजना अंतर्गत प्रदेश में राजनांदगांव जिले में सर्वाधिक श्रमिकों को रोजगार प्रदान किया गया है। श्रमिकों को रोजगार देने में राजनांदगांव जिला प्रदेश में अव्वल नंबर पर है। श्रमिकों को स्थानीय स्तर पर रोजगार मिलने से उनके जीवन में सकारात्मक परिणाम मिल रहे हैं।

कलेक्टर तारन प्रकाश सिन्हा के मार्गदर्शन एवं जिला पंचायत सीईओ श्री लोकेश चंद्राकर के निर्देशन में श्रमिकों को रोजगार देने की दिशा में प्रभावी कार्य किए जा रहे हैं। जिले में डबरी निर्माण, कुंआ निर्माण, नरवा बंधान, शेड निर्माण, तालाब गहरीकरण एवं नया तालाब निर्माण जैसे कार्य मनरेगा के तहत किए जा रहे हैं।

राजनांदगांव जिले के 813 ग्राम पंचायतों में 780 कार्य प्रगति पर है, जिनमें 1 लाख 50 हजार 690 श्रमिक कार्यरत हैं। जिले के डोंगरगांव विकासखंड के 72 कार्य चल रहे हैं, जिससे 9606 श्रमिकों को रोजगार मिला है। वहीं अंबागढ़ चौकी विकासखंड में 67 कार्य प्रारंभ है, जहां 12772 श्रमिक, राजनांदगांव विकासखंड में 112 कार्य प्रारंभ, जहां 13942 श्रमिक, मोहला विकासखंड में 57 कार्य प्रारंभ, जहां 16356 श्रमिक, छुईखदान विकासखंड में 90 कार्य प्रारंभ, जहां 17598 श्रमिक, डोंगरगढ़ विकासखंड में 101 कार्य प्रारंभ, जहां 18197 श्रमिक, मानपुर विकासखंड में 59 कार्य प्रारंभ, जहां 18415 श्रमिक, खैरागढ़ विकासखंड में 109 कार्य प्रारंभ, जहां 20630 श्रमिक, छुरिया विकासखंड में 113 कार्य प्रारंभ, जहां 23174 श्रमिक कार्यरत हैं।

चलने में असमर्थ वृद्धों को एक प्रयास की सेवा टोली वाहन से ले जाकर करा रही है टीकाकरण

रायपुर। कोरोना पर प्रभावी नियंत्रण हेतु शहर की संस्थाओं द्वारा अपने–अपने स्तर पर जन–जागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा हैं। आज जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में सेवा टोला आस एक प्रयास संस्था के कार्यकर्ताओं के द्वारा रमण मंदिर वार्ड, चूनाभट्टी और फाफाडीह के घनी आबादी वाले क्षेत्रों में घर–घर पहुंचकर शारीरिक रूप से कमजोर और निर्धन लोगों को अपने दुपहिया वाहन में बिठाकर लोगों को टीकाकरण केंद्र ले जाया जा रहा है।इस मुहिम में 15 साल के ऊपर के बच्चों को टीकाकरण के दोनों डोज़ और 60 वर्ष तक के बुजुर्गों को बूस्टर डोज़ लगवाने के लिए प्रेरित भी किया जा रहा है।

खास खबर

प्रदेश में 18 वर्ष से अधिक की 72 प्रतिशत आबादी को कोरोना से बचाव के दोनों टीके लगे

रायपुर। छत्तीसगढ़ में कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए लोगों का तेजी से टीकाकरण किया जा रहा है। प्रदेश में एक करोड़ 42 लाख 29 हजार 367 नागरिकों को कोरोना से बचाव का दोनों टीका लगाया जा चुका है। यह प्रदेश में टीकाकरण के लिए पात्र 18 वर्ष से अधिक की आबादी का 72 प्रतिशत है। राज्य में दो लाख 35 हजार 308 स्वास्थ्यकर्मियों, फ्रंटलाइन वर्कर्स तथा 60 वर्ष से अधिक के लोगों को प्रिकॉशन डोज भी लगाया जा चुका है। राज्य में 18 वर्ष से अधिक के 99 प्रतिशत और 15 से 18 वर्ष की 60 प्रतिशत जनसंख्या को पहला टीका लग चुका है। यहां 18 वर्ष से अधिक के एक करोड़ 95 लाख 15 हजार 509 नागरिकों और 15 से 18 वर्ष के नौ लाख 82 हजार 621 किशोरों को कोरोना वैक्सीन का पहला टीका लगाया जा चुका है। दोनों आयु वर्गों में पहली और दूसरी तथा प्रिकॉशन डोज को मिलाकर प्रदेश भर में अब तक (30 जनवरी तक) कुल तीन करोड़ 49 लाख 62 हजार 805 टीके लगाए गए हैं।

होटल, रेस्टोरेंट, फुड पार्क आदि को रात 11 बजे तक एवं ठेला, गुमटी आदि को रात्रि 10 बजे तक संचालन करने की अनुमति

रायपुर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, रायपुर प्रशांत अग्रवाल ने बताया कि कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी रायपुर के द्वारा कोविड संक्रमण की स्थिति को देखते हुए, होटल, रेस्टोरेंट, फुड पार्क आदि को रात 11 बजे तक एवं ठेला, गुमटी आदि को रात्रि 10 बजे तक संचालन करने की अनुमति दी गयी है। रायपुर पुलिस के द्वारा इन निर्देशों का पालन कराया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इसके लिए थानों को अतिरिक्त पेट्रोलिंग भी प्रदाय किया गया है। नगर पुलिस अधीक्षक व थाना प्रभारियों द्वारा स्वयं इसकी मानिटरिंग की जा रही है।

सिंघरौर कुर्मी परिवार मेधावी छात्रों का करेगा सम्मान

रायपुर (ए)। रायपुर के खरोरा में नवयुवक सिंघरौर कुर्मी परिवार का बैठक मोहरेंगा कबीरकुटी में हुई। जिसमें रायपुर राज के लगभग 50 - 60 युवा शामिल हुए और समाज उत्थान कार्यो पर चर्चा की। युवाओं ने रक्तदान, युवक-युवती सम्मेलन, पौधारोपण, मेघावी छात्र सम्मान को लेकर चर्चा की। युवाओं ने कहा समाजहित के काम से प्रेणास्त्रोत बनना है। नवयुवक सिंघरौर कुर्मी परिवार वाट्सएप ग्रुप में लगभग 350- 400 युवा जुड़े हैं। पौधारोपण का कार्य बरसात के समय किया जाएगा। पर्यावरण की रक्षा के लिए पूरे साल में किसी न किसी परिवार में बच्चे के जन्म होने पर उन्हें एक पौधा भेंट किया जाएगा। इसमें सौरभ वर्मा का सहयोग देते हैं। शादी के लिए युवक-युवती सम्मेलन का कार्यक्रम दिसंबर महीने में किया जाएगा। इसमें युवाओं को अधिक से अधिक जोड़ने पर जोर दिया गया।

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में राज्य जल संसाधन उपयोग समिति की बैठक सम्पन्न

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्य सचिव अमिताभ जैन की अध्यक्षता में मंत्रालय महानदी भवन में राज्य जल संसाधन उपयोग समिति की 51वीं बैठक वीडियो कान्फ्रेसिंग के जरिए आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न जल प्रदाय योजनाओं, विद्युत उत्पादन केन्द्रों और औद्योगिक संस्थानों को राज्य की विभिन्न नदियों से जल उपलब्ध कराने के संबंध में चर्चा की गई।

बैठक में कांकेर जिला के विकासखण्ड-कोयलीबेड़ा की पंखांजूर आवर्धन जल प्रदाय योजना, जिला बस्तर के 201-कोबरा बटालियन सीआरपीएफ मुख्यालय-करनपुर को पेयजल हेतु जल प्रदाय आवर्धन योजना, रायगढ जिले के विकासखण्ड बरमकेला के 102 ग्रामों की बरगांव कंचनपुर समूह जल प्रदाय आवर्धन योजना, जल जीवन मिशन अंतर्गत जिला रायगढ़ विकासखण्ड-सारंगढ़ के 84 ग्रामों की भद्रा-रीवापार समूह जल प्रदाय आवर्धन योजना, विकासखण्ड पुसौर के 50 ग्रामों की कलमा-कोंडातराई समूह जल प्रदाय योजना, जिला रायपुर ब्लॉक-तिल्दा, ग्राम परसदा के निकट स्थापित एकीकृत इस्पात संयंत्र एवं केप्टिव पॉवर प्लांट के विस्तारीकरण हेतु खारून नदी पर निर्मित जल प्रदाय आवर्धन योजना, ब्लॉक-तिल्दा ग्राम सरोरा के निकट स्थापित स्पंज आयरन एवं केप्टिव पॉवर प्लांट के विस्तारीकरण हेतु खारून नदी पर निर्मित लखना एनीकट जल प्रदाय आवर्धन योजना, जिला बेमेतरा ब्लॉक-बेमेतरा ग्राम-भैंसा के निकट प्रस्तावित एथेनॉल संयंत्र हेतु शिवनाथ नदी पर निर्मित तुलसी-पौंसरी एनीकट जल प्रदाय आवर्धन योजना, जिला रायपुर ब्लॉक तिल्दा, ग्राम जलसो के निकट प्रस्तावित एकीकृत इस्पात संयंत्र एवं 65 मेगावाट केप्टिव पॉवर प्लांट हेतु शिवनाथ नदी पर निर्मित तिवरैया जल प्रदाय आवर्धन योजना, जिला कांकेर ब्लॉक-दुर्गकोंदल, ग्राम हाहालद्दी के निकट जल प्रदाय आवर्धन योजना, जिला रायपुर ब्लॉक आरंग, ग्राम आरंग के निकट प्रस्तावित बायो रिफाईनरी (इथेनॉल/बॉयो ईधन) एवं 12 मेगावॉट केप्टिव प्लांट जल प्रदाय आवर्धन योजना, जिला बालोद ब्लॉक-डौण्डी, ग्राम गिधाली के निकट जल प्रदाय आवर्धन योजना के लिए वार्षिक आधार पर पेयजल आबंटन सहित विभिन्न औद्योगिक संस्थानों, कोल वॉशरी और विद्युत उत्पादन केन्द्रों को जल प्रदाय के संबंध में चर्चा की गई। बैठक में अपर मुख्य सचिव सुब्रत साहू, सचिव जल संसाधन अन्बलगन पी., सचिव कृषि डॉ. कमलप्रीत सिंह, सचिव वाणिज्य एवं उद्योग आशीष कुमार भट्ट, सचिव ऊर्जा अंकित आनंद सहित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

51 दिनों तक साधु जीवन जिया, बिना बिछौने के शयन और मोबाइल से रहीं दूर

रायपुर (ए)। गृहस्थ जीवन गुजारते हुए राजधानी रायपुर की युवती मानसी कोचर ने राजस्थान के मालपुरा में जैन साधु भगवंतों के सान्निाध्य में 51 दिनों तक साधु जीवन व्यतीत किया। जैन धर्म में इसे उपद्यान तप कहा जाता है। इस दौरान 25 उपवास, तीन तेला, दो बेला, आयंबिल तप के नियमों का पालन करना होता है। तीन तेला का मतलब तीन दिन उपवास, चौथे दिन पारणा। इसी तरह दो बेला का अर्थ दो दिन उपवास, तीसरे दिन पारणा। युवती ने इस कठिन तप में बिना स्नान किए, बिना बिछौने के शयन किया। मोबाइल जैसे आधुनिक यंत्रों से पूरी तरह दूरी बनाए रखी।

सीमंधर स्वामी मंदिर में बड़ी पूजा

सीमंधर स्वामी जैन मंदिर के महासचिव महेंद्र कोचर ने बताया कि 51 दिवसीय उपद्यान तपस्या पूरी करने के बाद सदरबाजार निवासी मानसी राजधानी लौटीं। उपद्यान तप के निमित्त जैन समाज द्वारा एक फरवरी को माघ अमावस्या तिथि पर भैरव सोसाइटी स्थित सीमंधर स्वामी जैन मंदिर एवं दादाबाड़ी में चारों दादा गुरुदेवों की विशेष पूजा का आयोजन किया गया है। सुबह 9.30 बजे से पूजा शुरू होगी।

सीमंधर स्वामी मंदिर के अध्यक्ष संतोष बैद ने बताया कि प्रकट प्रभावी दादागुरुदेव जिनकुशल सूरि की पावन भूमि मालपुरा धाम राजस्थान में गुरुदेव अध्यात्म योगी महेन्द्र सागर, महाराज, युवा मनीषी मनीष सागर महाराज, साध्वीवर्या मणिप्रभाश्री आदि साध्वी-साधु भगवंतों की पावन निश्रा में मानसी कोचर ने तपस्या पूरी की है। वे सदरबाजार निवासी महेंद्र कुमार तरुण कुमार कोचर परिवार की बेटी हैं।

सीएम एयरपोर्ट से सीधे पहुंचे साईंस कॉलेज मैदान राहुल गांधी के कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लिया

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने एयरपोर्ट से सीधे साईंस कॉलेज मैदान पहुंचे और वहां लोकसभा सांसद राहुल गांधी के कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को कार्यक्रम स्थल की विभिन्न तैयारियों के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर कृषि मंत्री रविन्द्र चौबे, वन मंत्री मोहम्मद अकबर, स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव, खाद्य मंत्री अमरजीत भगत, स्कूल शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम, महिला एवं बाल विकास मंत्री अनिला भेड़िया, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री गुरू रूद्रकुमार उपस्थित थे। गौरतलब है कि 3 फरवरी को आयोजित उक्त कार्यक्रम में सांसद राहुल गांधी छत्तीसगढ़ सरकार की महत्वाकांक्षी राजीव गांधी ग्रामीण भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना और राजीव युवा मितान क्लब का शुभारंभ करेंगे और गांधी सेवा ग्राम और अमर जवान ज्योति की आधारशिला रखेंगे।

राहुल गांधी 'राजीव गांधी ग्रामीण भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना' के तहत पंजीकृत 3 लाख 55 हजार भूमिहीन कृषि मजदूरों के खातों में योजना की प्रथम किस्त की राशि का उनके बैंक खाते में अंतरण करेंगे। इस योजना के लिए राज्य सरकार ने अनुपूरक बजट में 200 करोड़ रूपए का प्रावधान किया है। योजना के तहत भूमिहीन कृषि मजदूरों को साल में तीन किश्तों में 6 हजार रूपए की राशि सीधे उनके बैंक खाते में अंतरित की जाएगी।

इस अवसर मुख्य सचिव अमिताभ जैन, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव सुब्रत साहू, डीजीपी अशोक जुनेजा, स्वास्थ्य विभाग के प्रमुख सचिव डॉ. आलोक शुक्ला सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

वृद्धि ने समझाया राष्ट्र निर्माण में युवाओं का महत्व, निबंध लेखन में मिला राष्ट्रीय पुरस्कार

रायपुर (ए)। निबंध लेखन में राष्ट्रीय स्तर पर पहला पुरस्कार जीतने वाली स्वामी आत्मानंद विद्यालय, रायपुर की 10वीं की छात्रा वृद्धि शर्मा ने राष्ट्र के निर्माण में युवाओं के योगदान को सरल शब्दों में समझा दिया। वृद्धि ने बताया कि उसे रोज अखबार पढ़ने की आदत है। इस दौरान उसे दैनिक जागरण द्वारा अखिल भारतीय निबंध प्रतियोगिता की जानकारी मिली।

पिता की सलाह पर आनलाइन फार्म भरा। प्रतियोगिता में निबंध लेखन के लिए राष्ट्र निर्माण व युवा शक्ति विषय मिला। इस विषय पर अपने विचार के बारे में पिता और बहनों से चर्चा की। साथ ही इंटरनेट के माध्यम से कुछ जानकारियां जुटाई। फिर राष्ट्र निर्माण के युवाओं के योगदान को लेकर 1000 शब्दों में लेख लिखकर भेजा। मुझे इस बात की खुशी है कि मेरी मेहनत रंग लाई। दुर्ग जिले के अमलेश्वर निवासी वृद्धि शर्मा को नौवीं से 12वीं कक्षा के छात्रों की श्रेणी में 50 हजार रुपये का पुरस्कार प्राप्त हुआ है। राष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश को गौरवांवित करने वाली वृद्धि का कहना है कि उन्हें लेखन कला की प्रेरणा पिता संतोष शर्मा और दोनों बहनें पलक व परिधि से मिली।

पिता उन्हें बचपन से ही लिखने-पढ़ने के लिए प्रेरित करते थे। बड़ी बहनें पलक और परिधि को भी शुरू से कविता और लेख लिखते देखा। घर में सभी बहनें एक-साथ पढ़ाई करते हैं। स्कूल के विषयों की पढ़ाई के बाद समय मिलने पर हमेशा कविता व लेख लिखतीं हैं। पिता के मार्गदर्शन में पढ़ाई के साथ अखबार पढ़ना भी आदत बन गया। इसमें देश-दुनिया में चलने वाली खबरों के साथ ही समाज से जुड़ी जानकारियां मिलती।

स्टेट क्वालिटी मॉनिटर्स के इम्पैनलमेंट के लिए 5 फरवरी तक आवेदन

सिविल इंजानियरिंग से जुड़े सेवानिवृत्त कार्यपालन अभियंता कर सकते हैं आवेदन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन के पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की एजेंसी छत्तीसगढ़ ग्रामीण सड़क विकास अभिकरण ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत स्टेट क्वालिटी मॉनिटर्स के इम्पैनलमेंट के लिए आवेदन आमंत्रित किया है। इसके लिए कार्यपालन अभियंता या किसी सरकारी संस्था, केंद्र या राज्य सरकार के सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम या उनसे संबद्ध कार्यालयों में समकक्ष पद से सेवानिवृत्त सिविल अभियंताओं से आवेदन मंगाया गया है। शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेजों, आईआईटी, एनआईटी या सरकारी अनुसंधान संस्थानों इत्यादि में कार्यरत या सेवानिवृत्त सिविल इंजीनियरिंग में स्नातक ऐसे फैकल्टी मेम्बर जिन्हें सड़क निर्माण या पुल की डिजाइनिंग, पर्यवेक्षण और परामर्शदाता के रूप में काम करने का अनुभव हो, वे भी इसके लिए आवेदन कर सकते हैं।

सड़क निर्माण कार्यों के निरीक्षण के लिए शासकीय सेवा वाले ऐसे उम्मीदवार वांछित हैं जिन्हें अपनी सेवानिवृत्ति के पहले के आखिरी दस सालों में से कम से कम पांच साल सड़क निर्माण का अनुभव हो। वहीं पुल निरीक्षण के लिए पुल निर्माण की योजना, डिजाइनिंग या क्रियान्वयन में आठ वर्ष के अनुभव वाले ऐसे उम्मीदवार वांछनीय हैं जिन्हें पुल परियोजना के क्रियान्वयन का कम से कम चार वर्ष का अनुभव हो। सड़क और पुल निरीक्षण के लिए दोनों व्यावसायिक योग्यता एवं मैदानी अनुभव रखने वाले उम्मीदवार दोनों कार्यों के लिए आवेदन कर सकते हैं।

स्टेट क्वालिटी मॉनिटर के लिए सभी व्यावसायिक और शैक्षणिक योग्यता धारण करने के साथ ही आवेदक किसी तरह के भ्रष्टाचार का दोषी न हो। कम्प्यूटर और स्मार्ट फोन पर काम कर सकने वाले या निर्धारित समय में इन्हें सीखने के इच्छुक उम्मीदवार इस पद के लिए आवेदन कर सकते हैं। आवेदकों को मैदानी अनुभव से संबंधित दस्तावेज भी आवेदन के साथ संलग्न करने कहा गया है।

इम्पैनलमेंट के लिए पात्रता की शर्तें, स्टेट क्वालिटी मॉनिटर्स के कर्तव्य और आवेदन पत्र का प्रारूप वेबसाइट डब्लूडब्लूडब्लू डॉट पीएमजीएसवाई डॉट एनआईसी डॉट इन पर 'डीओ एंड एसक्यूएम सलेक्शन एंड परफॉर्मेंस इवेल्यूएशन' शीर्षक के तहत देखी जा सकती है। स्टेट क्वालिटी मॉनिटर्स के रूप में कार्य करने के इच्छुक आवेदक निर्धारित प्रारूप में अपना आवेदन मुख्य कार्यपालन अधिकारी, छत्तीसगढ़ ग्रामीण सड़क विकास अभिकरण, विकास भवन, सिविल लाइन, रायपुर को 5 फरवरी 2022 तक भेज सकते हैं। अभिकरण ने एनआरआईडीए में नेशनल क्वालिटी मॉनिटर और दूसरे राज्यों में स्टेट क्वालिटी मॉनिटर के रूप में इम्पैनल्ड अधिकारियों तथा 5 फरवरी 2022 को 70 साल की उम्र पूरी कर रहे अधिकारियों को आवेदन नहीं करने कहा है।

राज्य में अब तक धान की खरीदी का आंकड़ा 94.57 लाख मीटरिक टन से पार

21.38 लाख किसानों ने बेचा धानः धान खरीदी के एवज में किसानों को 17,906.33 करोड़ भुगतान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की दूरदर्शी सोच और उदार फैसलों का नतीजा है कि छत्तीसगढ़ राज्य में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के चालू सीजन में 94.57 लाख मीटरिक टन धान खरीदी का नया रिकार्ड बना है। पिछले सीजन 2020-21 में आज की स्थिति में 92.803 लाख मीटरिक टन धान की खरीदी हुई थी। गत वर्ष आज के तिथि तक 20.54 लाख किसानों धान बेचा था। इस वर्ष 21.38 लाख किसानों से 94.57 लाख मीटरिक टन से अधिक धान की खरीदी की गई है। धान खरीदी के एवज में अब तक किसानों को बैंक लिकिंग व्यवस्था के तहत 17,906.33 करोड़ रूपए जारी कर दिए गए हैं।

उल्लेखनीय है कि किसानों की मांग और जरूरत को ध्यान में रखते हुए किसानों की सहुलियत के लिए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने धान खरीदी की तिथि एक सप्ताह और बढ़ाने का निर्णय लिया है। अब पंजीकृत किसानों से 7 फरवरी तक धान खरीदी की जाएगी। राज्य सरकार ने इस वर्ष 24 लाख से अधिक किसानों से 105 लाख मीटरिक टन धान खरीदने का लक्ष्य रखा है। मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप धान खरीदी के साथ ही समांतर रूप से कस्टम मिलिंग के लिए धान का उठाव तेजी से किया जा रहा है। मुख्यमंत्री के आह्वान पर अब तक मिलर्स द्वारा डीओ और टीओ के माध्यम से 54.99 लाख मीटरिक टन धान का उठाव हो चुका है। छत्तीसगढ़ राज्य केन्द्रीय पूल में चावल जमा कराने के मामले में भी नया रिकार्ड बनाया है। अब तक 14.46 लाख मीटरिक टन केन्द्रीय पूल में गुणवत्तापूर्ण चावल जमा करा चुके हैं। इनमें भारतीय खाद्य निगम में 8.03 लाख मीटरिक टन और नागरिक आपूर्ति निगम में 6.42 लाख मीटरिक टन जमा चावल शामिल है।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, खाद्य मंत्री अमरजीत भगत, मुख्य सचिव अमिताभ जैन ने राज्य में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी, धान के उठाव और कस्टम मिलिंग, रेलवे रेक की व्यवस्था के साथ-साथ केन्द्रीय पूल में चावल जमा कराने उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए खाद्य विभाग, विपणन संघ, नागरिक आपूर्ति निगम, एफसीआई, रेलवे अधिकारियों को बधाई दी है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि संबंधित विभागों के अधिकारियों के समन्वय से ही यह उल्लेखनीय सफलता मिली है। उन्होंने उम्मीद जताई की राज्य धान खरीदी के साथ ही केन्द्रीय पूल में चावल जमा कराने का लक्ष्य पूरा करेगा।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान

इन स्टार्स को ऑफर हुई थी 'पुष्पा'

महेश बाबू को ऑफर हुआ था अल्लू अर्जुन वाला पुष्पराज का रोल!

फिल्म 'पुष्पा: द राइज पार्ट 1' का जलवा कायम है। फिल्म कोरोनाकाल में 300 करोड़ का बिजनेस कर चुकी है। इसके अलावा यह 2021 की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में भी शामिल है.178 मिनट लंबी फिल्म की कहानी एक्शन से भरपूर प्यार रोमांस और सधे, सटीक डायलॉग से एंटरटेन करती है। अल्लू अर्जुन से लेकर रश्मिका मंदाना एवं सपोर्टिंग कास्ट को भी अपने अभिनय हुनर को दिखाने का भरपूर मौका मिला है।

अर्जुन के अभिनय की बात करें तो उन्होंने एक कंधे को ऊपर उठाए रखने की अपनी स्टाइल, बॉडी लैंग्वेज और दाढ़ी पर हाथ फेरने के अंदाज को जिस तरह से पूरी फिल्म में पकड़कर रखा है, वह काबिल-ए-तारीफहै।

वहीं, रश्मिका मंदाना अपनी अदाकारी और डांस से भरपूर मनोरंजन करने में सफल रही हैं। वैसे, आपको बता दें कि ये दोनों ही स्टार्स अपने रोल के लिए पहली चॉइस नहीं थे। इनसे पहले जानिए किन्हें आफफर हुए थे फिल्म में रोल।

महेश बाबू ने पुष्पराज का ठुकरा दिया था जिसके बाद अल्लू अर्जुन को ये ऑफर किया गया और उन्होंने झट से इसे स्वीकार कर लिया।

रश्मिका मंदाना श्रीवल्ली के रोल के लिए पहली पसंद नहीं थीं। डायरेक्टर सुकुमार चाहते थे सामंथा इस रोल को करें लेकिन एक्ट्रेस इसके लिए तैयार नहीं हुईं।

दिशा पटानी को भी ओ अंतावा पर डांस करने का ऑफर मिला था लेकिन उन्होंने भी इसे ठुकरा दिया था।

सामंथा पर फिल्माया गया आइटम नंबर ओ अंतावा नोरा फतेही को ऑफर हुआ था लेकिन उन्होंने भी इसे भी करने से मना कर दिया था।

फहाद फासिल से पहले विजय सेतुपति को भंवर सिंह शेखावत का रोल ऑफर हुआ था लेकिन उन्होंने डेट्स की कमी के चलते फिल्म ठुकरा दी थी।

खोली में रहने वाला टपोरी बना दुनियाभर में 'हीरो' स्टारडम मिलने के बाद भी चॉल में रहे जैकी श्रॉफ

बॉलीवुड अभिनेता जैकी श्रॉफ आज अपना जन्मदिन मना रहे हैं। 1 फरवरी 1957 को वालकेश्वर, मुंबई के तीन बत्ती एरिया में जन्मे जैकी आज 65 साल के हो गए हैं। 80 के दशक में जैकी श्रॉफ की पहचान एक्शन और रोमांटिक हीरो के तौर पर बनी थी। जैकी ने अभी तक लगभग 250 फिल्मों में काम किया है। जैकी श्रॉफ की कहानी किसी फिल्म की स्क्रिप्ट से कम नहीं है। उन्हें नहीं पता था कि चॉल में रहने वाला टपोरी एक दिन दुनियाभर का हीरो बन जाएगा। आज जैकी के जन्मदिन पर आपको बताते हैं उनसे जुड़ी कुछ अनकही बातें...

जग्गू दादा नाम से बुलाते थे लोग

जैकी का जन्म बेहद गरीब परिवार में हुआ। कहा जाता है कि जैकी हमेशा अपने चॉल के लोगों की मदद करते थे और इसीलिए उनका नाम जग्गू दादा रखा गया। चॉल में सभी उन्हें इसी नाम से बुलाते थे। गरीबी के चलते जैकी ने 11वीं के बाद पढ़ाई छोड़ दी और नौकरी की तलाश करने लगे। उन्हें खाना बनाने का बहुत शौक था, इसलिए वे नौकरी के लिए ताज होटल गए लेकिन उन्हें वहां नौकरी नहीं मिली।

बस स्टैंड पर खुली किस्मत

कई दिनों तक नौकरी की तलाश में भटकने के बाद एक दिन जैकी बस स्टैंड पर बस का इंतजार कर रहे थे, वहां खड़े एक शख्स ने उनकी हाइट देखकर पूछा, 'क्या आप मॉडलिंग में दिलचस्पी लेंगे?' और जवाब में जैकी ने कहा, 'क्या आप पैसे देंगे? जग्गू दादा का जैकी श्रॉफ बनने का सफर यहीं से शुरू हुआ। कई दिनों की मेहनत के बाद उन्हें सुभाष घई की फिल्म 'हीरो' में काम करने का मौका मिला। फिल्म सुपर डुपर हिट रही और जैकी रातों-रात सुपरस्टार बन गए।

साइन करने वालों की लगी लाइन

फिल्म 'हीरो' से लाइमलाइम में आने वाले जैकी श्रॉफ के लाखों चाहने वाले थे। तो वहीं हर निर्माता-निर्देशक ये चाहता था कि जैकी उनकी फिल्म साइन करें, जिसके लिए बड़े-बड़े डायरेक्टर्स उनके घर पहुंच जाया करते थे। आलम ये था कि जैकी अगर टॉयलेट में होते थे और निर्माता-निर्देशक टॉयलेट के बाहर खड़े होकर अभिनेता को अपनी फिल्म में लेने के लिए उनका इंतजार करते थे।

स्टारडम मिलने के बाद भी चॉल में रहे जैकी श्रॉफ

जैकी श्रॉफ गरीबी और तंगहाली से उठकर फिल्मों की दुनिया में आये थे और वो इसकी कीमत बखूबी जानते थे। शायद यही वजह थी कि फिल्म 'हीरो' हिट होने के बाद भी जैकी ने चॉल में रहना नहीं छोड़ा था। वे सालों तक यही रहते रहे। उनकी कुछ फिल्मों को उसी चॉल में शूट किया गया था।

शाही परिवार से थीं आयशा

अभिनेता ने साल 1987 में आयशा से लव मैरिज की थी। आयशा शाही परिवार से थीं। काफी संपन्नता के बीच पली-बढ़ी थीं। लेकिन जैकी की खातिर वे उनके साथ चॉल में रहने को तैयार हो गई। उनके दो बच्चे टाइगर श्रॉफ और कृष्णा श्रॉफ है। टाइगर फिल्मों में एंट्री ले चुके हैं और उनके स्टंट और स्टाइल के लोग कायल है।

अक्षय कुमार ने पूरी की फिल्म 'राम सेतु' की शूटिंग, जैकलीन फर्नांडिस के साथ कट किया केक

अक्षय कुमार के पास कई फिल्में हैं जो रिलीज के लिए तैयार हैं. इस बीच अक्षय ने अपनी फिल्म राम सेतु की शूटिंग भी खत्म कर ली है. एक्टर ने सोशल मीडिया के जरिए खुद इसकी जानकारी दी. उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट से इसकी आधिकारिक जानकारी देते हुए कहा, 'आज मेरी फिल्म राम सेतु का आखिरी दिन है. रामसेतु को बनाने के लिए वानर सेना, और मेरी फिल्म रामसेतु को बनाने के लिए मेरी सेना फिल्म सेट पर जश्न मनाते हुए. इस दौरान फिल्म की टीम रैप अप का जश्न मना रही है. वीडियो शेयर करते हुए अक्षय ने कैप्शन में लिखा, 'मैंने फिल्म बनाते वक्त बहुत कुछ सीखा है. यह मानो फिर से स्कूल जाने जैसा था. बड़ी मेहनत की है हम सबने, बस आपका प्यार चाहिए.

बता दें कि इस फिल्म का मुहूर्त श्री रामनगरी अयोध्या में हुआ था. फिल्म रामसेतु में अक्षय पुरातत्वविद की भूमिका निभा रहे है. अक्षय के साथ जैकलीन फर्नांडिस और नुसरत भरूचा भी मुख्य किरदार में नजर आएंगी. अभिषेक शर्मा द्वारा लिखित और निर्देशित, केप ऑफ गुड फिल्म्स द्वारा प्रस्तुत, अरुणा भाटिया, विक्रम मल्होत्रा द्वारा निर्मित इस फिल्म के रचनात्मक निर्माता डॉ. चंद्रप्रकाश द्विवेदी हैं.

अभिषेक का कहना है कि उन्हें ये आइडिया साल 2007 में आया था जब उन्होंने अखबार में भारत और श्रीलंका के बीच एक शिपिंग कैनल को लेकर कोर्ट केस की खबर पढ़ी थी. उन्होंने कहा था, मुझे लगा कि ये यही मौका है इंडियन लीजेंड की कहानी बताना.

यह ऐसा है जैसे मुझे एक सच्ची कहानी को सामने लाने की संभावना के साथ प्रस्तुत किया जा रहा था जो भारतीयों की पीढ़ियों को हमारी विरासत के एक हिस्से से जोड़ेगी, जिसे अटेंशन मिलना जरूरी है जो उसे मिल नहीं रहा था.

जब मैंने अक्षय सर को इसके बारे में बताया तो उन्होंने तुरंत हां कह दिया. उन्होंने कहा था, अक्षय सर फिल्म में आर्कियोलॉजिस्ट का किरदार निभा रहे हैं और उनका लुक कई इंडियन और इंटरनेशनल आर्कियोलॉजिस्ट से इंस्पायर होगा. अक्षय सर के फैंस उन्हें बिल्कुल नए अवतार में देखेंगे.

वैसे इस फिल्म के अलावा अक्षय, बच्चन पांडे, पृथ्वीराज, रक्षाबंधन और ओह माई गॉड में नजर आने वाले हैं. रिपोर्ट्स की मानें तो ये सभी फिल्में इसी साल रिलीज हो सकती हैं. दिलचस्प बात ये है कि ये सभी फिल्में अलग-अलग सब्जेक्ट पर आधारित हैं.

बिग बॉस फिनाले के दूसरे दिन ही तेजस्वी प्रकाश ने शुरू किया नागिन 6 का शूटिंग, बोलीं- मेरा और करण का रिलेशन चैलेंजिंग होगा

रियलिटी शो 'बिग बॉस 15' की विनर का ऐलान हो गया है। इस ट्रॉफी पर तेजस्वी प्रकाश ने अपना कब्जा जमाया है। बता दें, शो के फिनाले में तेजस्वी के साथ करण कुंद्रा और प्रतीक सहजपाल ने टॉप तीन में एंट्री की। लेकिन तेजस्वी ने दोनों को हराकर सीजन 15 की ट्रॉफी अपने नाम कर लिया। ट्रॉफी के साथ एक्ट्रेस ने 40 लाख रुपये की राशि भी जीती है। इस पैसे से वह एक घर खरीदना चाहती हैं। यही नहीं वह अब एकता कपूर की 'नागिन 6' में मेन लीड भी करने वाली हैं। तेजस्वी ने 'बिग बॉस 15' से जुड़े कुछ खास अनुभव शेयर किए। उन्होंने करण कुंद्रा के साथ अपने रिलेशनशिप पर भी बात की।

अपनी जर्नी पर गर्व हैं क्योंकि ये सफर आसान नहीं था

'बिग बॉस 15' का सफर बहुत खूबसूरत रहा, कई यादगार पल बिताए हैं इस घर में, उन्हें ज़िंदगी भर संजोकर रखूंगी। खूबसूरत यादों के साथ-साथ बहुत सारी चुनौतियों का भी सामना करना पड़ा है। चाहे घास पर सोना, कम खाना, कम राशन में घर चलाना, मख्खियों के बीच रहना, घर में खुद के हक के लिए लड़ना, कंटेस्टेंट्स के स्ट्रेटेजी का सामना करना। घर में जब भी सही थी, उसके लिए खड़ी रही हूं। जब गलती की तो माफी मांगती और आगे बढ़ जाती। अब जब जीत गई हूं तो खुद पर बहुत गर्व महसूस करती हूं। अपनी जर्नी पर गर्व हैं क्योंकि ये सफर आसान नहीं था।

मेरे फैन्स की बदौलत ही मैं ये शो जीत पाई

मुझे लगता हैं की मेरा बब्बली और चर्पी नेचर ने मुझे इस शो को जीतने में मदद की। मुझे शो में एंट्री लेने के बाद एहसास हुआ की यहां आपको एंटरटेनिंग होना जरूरी है। ऐसा बिल्कुल नहीं हैं की शो में टिकने के लिए या जीतने के लिए सीरियस पर्सनालिटी होनी चाहिए। हर बार सही का साथ देना चाहिए वगैरा। मैं रियल लाइफ में जैसी हूँ वैसी ही लोगों को नजर आई। जब गुस्सा आता तो गुस्सा जाहिर करती, प्यार आता तो प्यार जताती, जब घर में सभी के खिलाफ जाकर बोलना होता तो वही करती। सलमान सर भी कहते की घर के अंदर आपकी बिल्कुल भी फैन फॉलोइंग नहीं है, लेकिन मुझे यकीन था की घर के अंदर ना सही लेकिन जहां मेरी फैन फॉलोइंग होनी चाहिए वहां होंगी। मेरे फैन्स की बदौलत ही मैं ये शो जीत पाई हूं।

फिनाले के दूसरे दिन से ही मैं 'नागिन 6' की शूटिंग में व्यस्त हो जाउंगी

घर के अंदर कई लोगों से मन-मुटाव हुए हैं लेकिन मैं अब उससे बाहर आ चुकी हूं। मैं उन लोगों में से बिल्कुल नहीं हूं, जो गीले-शिकवे याद रखे या दिल में किसी के प्रति बुरा ख्याल रखूं। घर के अंदर हालत ऐसे हो जाते हैं जहां हम ना चाहते हुए भी रिएक्ट कर बैठते हैं। अब जब शो खत्म हो गया हैं तो मैं पुरानी बातों को याद नहीं रखना चाहूंगी, हर किसी के साथ अच्छे से बात करना चाहूंगी। हालांकि इस बात से भी इंकार नहीं कर सकती कि मेरे पास वक्त नहीं होगा। 'बिग बॉस' के फिनाले के दूसरे दिन से ही मैं 'नागिन 6' की शूटिंग में व्यस्त हो जाउंगी।

शमिता की बहुत रिस्पेक्ट करती हूं

शमिता मेरी सीनियर हैं, मैं उनकी बहुत रिस्पेक्ट करती हूं। सच कहूं तो मैं कभी उनसे इनसिक्योर नहीं थी जैसा की लोगों को लगता हैं। मेरी नाराजगी करण कुंद्रा से थी क्योंकि वो बहुत ही पजेसिव नेचर का इंसान है। मुझे शमिता से कोई दिक्कत नहीं थी। लेकिन जिस तरह से वो बातें करते और मेरे कानों तक आता तो मैं रिएक्ट कर बैठती।

मेरा और करण कुद्रा का रिलेशनशिप अब बहुत चैलेंजिंग होने वाला है

फिलहाल करण कुंद्रा और मेरे रिश्ते पर बात करना बहुत जल्दी होगा। जब आप शो में साथ होते हो, एक छत के नीचे इतना वक्त बिताते हो तो उस वक्त किसी रिश्ते का मायने कुछ और होता है। शो में करण का मेरे साथ होना, मेरे लिए एक बहुत बड़ा स्ट्रेंथ था। हालांकि अब जब ये सब खत्म हो चुका हैं, तो ये अब इस रिश्ते का बहुत बड़ा चैलेंज बन चुका है। घर में हमने बहुत समय एक साथ गुजारा लेकिन अब ऐसा बिल्कुल मुमकिन नहीं है। अपने कमिटमेंट की वजह से अब हम एक दूसरे को ज्यादा वक्त नहीं दे पाएंगे। अब इस स्थिति में हमारा रिश्ता किस मुकाम तक पहुंचता हैं, ये तो आनेवाला समय ही तय कर पाएगा। इस बात से इंकार नहीं करूंगी की शो में मैं उन्हें अपना स्ट्रांग कंटेस्टेंट भी मानती थी। वही मुझे सपोर्ट भी करते थे और उन्ही से हारने का भी डर था।

जीती हुई रकम से खुद का घर खरीदना चाहती हूं

इस जीती हुई रकम से खुद का घर खरीदना चाहती हूं। शो में कई बार मेरे क्लास और डिग्निटी पर सवाल उठे थे, जोकि बहुत गलत था। मैं एक मिडिल क्लास फैमिली से आती हूं। हम लोग बहुत सिंपल हैं, हमें महंगी गाड़ी, महंगे मेकअप का बिल्कुल शौक नहीं है। हमारे पास भले ही क्लास ना हो लेकिन खुद का आशियाना होना बहुत बड़ी बात हैं। हम जैसे सिंपल लोगों के पास जब भी थोड़े पैसे आएंगे, हम अपना घर बनाने का ही सोचेंगे।

विज्ञापन के लिए संपर्क करें :-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Hotel Shiv Prabha Inn. & Town King
The Family Restaurant
46-C Market, Near Sapana Talkies & Hotel Apana Keshari Lodge, Power House, Bhilai, Distt.-Durg (C.G.)
9893215251, 8966981590
Email.: ranjanaguptakeshari@gmail.com

मोमोस नास्ता सेंटर...
थापा शुद्ध मोमोस सेंटर
फुल हाफ
वेज मोमोस 40/- 20/-
मनचूरियन मोमोस 50/- 30/-
पनीर मोमोस 60/- 30/-
मोमोस-10, 20 और 30 रू. का भी मिलता है। शुद्ध बिना ऑयल का बना
मो.-9977690915, 7898349602
सर्कुलर मार्केट, पावर हाउस, भिलाई

● जीन्स
● टी-शर्ट
● शर्ट
● ट्राउजर
भारत जींस
जवाहर मार्केट, पावर हाउस, भिलाई

लिजना स्पोर्ट्स वियर
हमारे यहां सुपरपॉली, कसरा, ड्राईफिट, एन.एस लायकरा आदि कपड़ों के लोवर, चड्डा, बनाये जाते है, एवं स्पोर्ट्स की टी-शर्ट होलसेल रेट में बनाए जाते हैं
संबंधित संस्थान
New J.P. Sports
Shop No. E-20, Circular Market, Camp-2, Bhilai
Mo. Lovely: 9993338252, 9300878988

श्रीराम कलेक्शन
बच्चों के आकर्षक रेडिमेड वस्त्रों के विक्रेता
जवाहर मार्केट केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई
789805563, 9827178585

श्री सांई जींस कॉर्नर
ओम सांई कलेक्शन
■ मेन्स वेयर ■ किड्स वेयर
■ लेडिस वेयर ■ वेडिंग कलेक्शन
9827115003, 9806303000
जवाहर मार्केट, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई

रामजाने स्वादिष्ट चाट भंडार
शादी एवं पार्टी में ऑर्डर लिया जाता है
संपर्क करें : 8871247959

नाकोड़ा साड़ी सेंटर
एक्सक्लूसिव साड़ी शोरूम
फैंसी साड़ी, वैवाहिक साड़ियां डिज़ाईनर साड़ियां एवं सलवार सूट, लांचा
जवाहर मार्केट, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई

प्रमोद इंटरप्राइजेस
गेंहू, चांवल एवं दाल के थोक विक्रेता
लिंग रोड, केम्प-2, भिलाई-दुर्ग
फोन: 0788-2225449, 93290-13017

खास खबर

सेवा निवृत्त हुए एसआई को प्रभारी पुलिस अधीक्षक सूरजपुर ने किया सम्मानित

सूरजपुर। पुलिस विभाग में लगातार 41 वर्षो तक सेवा देकर सोमवार 31 जनवरी को सेवा निवृत्त हुये सूरजपुर जिले के थाना सूरजपुर में पदस्थ एसआई बी.डी.यादव को पुलिस कार्यालय में एक सादे समारोह में प्रभारी पुलिस अधीक्षक राजेश अग्रवाल सहित पुलिस अधिकारियों ने साल-फ्ल एवं उपहार भेंट कर सम्मानित किया। इस दौरान प्रभारी पुलिस अधीक्षक राजेश अग्रवाल ने कहा कि एसआई बी.डी.यादव सोमवार को सेवानिवृत्त हो रहे है, इन्होंने पुलिस विभाग में लगातार 41 वर्षो तक अपनी सेवाएं दी है इस दौरान पूरे सरगुजा रेंज के विभिन्न थाना-चौकी में बेहतर कार्य सम्पादित किए। उन्होंने कहा कि एसआई सदैव अपने कार्यो के प्रति जवाबदेह रहे, अधिनस्थों को सहयोग व मार्गदर्शन देते हुए कर्तव्य निष्ठ रहते हुए अनुशासन को बनाए रखा। पुलिस विभाग की सेवा से सेवानिवृत्त हो रहे एसआई बी.डी.यादव को पुलिस अधीक्षक ने साल, फ्ल एवं उपहार भेंट कर सम्मानित करते हुए पेंशन व ग्रेज्युटी राशि स्वीकृति का आदेश सौंपा और स्वस्थ्य सुखमय पारिवारिक जीवन जीने और दीर्घायु होने की कामना की। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हरीश राठौर कहा कि सेवानिवृत्त हो रहे एसआई का व्यवहार काफी उत्तम है, स्वभाव से सरल व मृदभाषी है, 41 वर्षो तक अपनी सेवा पुलिस विभाग में दी है जो काफी लम्बा समय रहा। उन्होंने भी एसआई को स्वस्थ्य सुखमय पारिवारिक जीवन जीने और दीर्घायु होने की कामना की। इस दौरान ट्रेनी आईपीएस संदीप कुमार पटेल, एएसपी मुख्यालय पी.एस.महिलाने, एसडीओपी गीता वाधवानी, स्थापना प्रभारी अखिलेश सिंह, जे.एन.साहू सहित कार्यालय के कर्मचारीगण मौजूद रहे।

छत्तीसगढ़ राज्य खाद्य आयोग के अध्यक्ष ने गुण्डरदेही में विभागीय अधिकारियों से की चर्चा

बालोद। छत्तीसगढ़ राज्य खाद्य आयोग के अध्यक्ष (केबिनेट मंत्री दर्जा) गुरप्रीत सिंह बाबरा आज गुण्डरदेही पहुंचे। उन्होंने नगर पंचायत गुण्डरदेही स्थित विधायक कार्यालय में खाद्य विभाग, नागरिक आपूर्ति निगम के अधिकारियों से जिले में खरीफ विपणन वर्ष 2021-22 के तहत् धान उपार्जन केंद्रों में धान खरीदी व उठाव की प्रगति, कस्टम मिलिंग, नॉन व एफ्सीआई में चावल जमा की स्थिति आदि के संबंध में चर्चा की और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने जिले में संचालित शासकीय उचित मूल्य की दुकानों की संख्या व सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत खाद्यान वितरण की जानकारी ली। जिला खाद्य अधिकारी ने बताया कि जिले में 465 शासकीय उचित मूल्य की दुकान है। सभी उचित मूल्य की दुकानों में ई-पीओएस मशीन इंस्टाल कर खाद्यान्न वितरण किया जा रहा है।

संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा

महिला सशक्तिकरण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक है

श्रीकंचनपथ न्यूज

नईदिल्ली। राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद ने आज यहां संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित किया। अपने संबोधन में राष्ट्रपति ने महिला सशक्तिकरण के लिए केंद्र सरकार द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर और समान भागीदारी प्रदान करने के लिए की गई विभिन्न पहलों पर प्रकाश डाला। अपने संबोधन में राष्ट्रपति ने कहा कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति देने में महिलाएं तेजी से महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभा रही हैं।

2021-22 में बैंकों ने 28 लाख से अधिक स्वयं सहायता समूहों को 65,000 करोड़ रुपये की वित्तीय मदद दी है। यह 2014-15 में बढ़ाई गई राशि का चार गुना है। सरकार ने महिला स्वयं सहायता समूहों के हजारों सदस्यों को प्रशिक्षण दिया और उन्हें बैंकिंग सखी के रूप में भागीदार भी बनाया है।

ग्रामीण परिवारों तक ये महिलाएं घर द्वार जाकर बैंकिंग सेवाएं पहुंचा रही हैं।

राष्ट्रपति ने कहा कि महिला सशक्तिकरण मेरी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक है। हम सभी उज्ज्वला योजना की सफलता के साक्षी हैं। मुद्रा योजना के माध्यम से हमारे देश की माताओं व बहनों की उद्यमिता और कौशल को बढ़ावा दिया गया है। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ पहल के कई सकारात्मक परिणाम मिले हैं और स्कूलों में नामांकित लड़कियों की संख्या में उत्साहजनक सुधार हुआ है। मेरी सरकार ने बेटे-बेटियों को बराबर मानते हुए पुरुषों के बराबर महिलाओं की शादी की न्यूनतम उम्र 18 साल से बढ़ाकर 21 साल करने के लिए विधेयक भी पेश किया है।

राष्ट्रपति ने कहा कि सरकार ने तीन तलाक को दंडनीय अपराध बनाकर समाज को इस मनमानी प्रथा से मुक्त कराने की शुरुआत की है। मुस्लिम महिलाओं के केवल मेहरम के साथ हज करने पर लगे प्रतिबंध को भी हटा दिया गया है। 2014 से पहले अल्पसंख्यक समुदायों के लगभग तीन करोड़ छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान की गई थी जबकि मेरी सरकार ने 2014 से अब तक ऐसे 4.5 करोड़ छात्रों को छात्रवृत्ति दी है। इससे मुस्लिम लड़कियों के स्कूल छोड़ने की दर में उल्लेखनीय कमी आई है और उनके नामांकन में वृद्धि हुई है।

राष्ट्रपति ने कहा कि हमारी बेटियों में सीखने की क्षमता को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति में जेंडर समावेशी कोष (जेंडर इनक्लूजन फंड) का भी प्रावधान किया गया है। यह खुशी की बात है कि सभी मौजूदा 33 सैनिक स्कूलों में छात्राओं का दाखिला शुरू हो गया है।

सरकार ने राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में महिला कैडेट्स के प्रवेश को भी मंजूरी दे दी है। महिला कैडेट्स का पहला जत्था जून 2022 में एनडीए में प्रवेश करेगा। मेरी सरकार के नीतिगत फैसलों और प्रोत्साहन से विभिन्न पुलिस बलों में महिला कर्मियों की संख्या 2014 की तुलना में दोगुनी से अधिक हो गई है।

धान खरीदी केंद्र पर भाजपा किसान मोर्चा ने दिया धरना

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ रमन सिंह आरंग विकासखंड के ग्राम फरफौद सोसाइटी के धरना में शामिल हुए डॉ रमन सिंह ने कहा कि किसानों का एक-एक दाना धान जब तक सरकार खरीद नहीं लेती तब तक धान खरीदी बंद नहीं होना चाहिए ।

धान खरीदी विलंब से शुरू होने के कारण व बारदाना के कमी बेमौसम बारिश की वजह से किसानों को धान बेचने में बहुत कठिनाई हुई है प्रदेश के किसान लगातार खाद की कमी व खाद की कालाबाजारी से परेशान हैं।

चुनाव के पूर्व कांग्रेस द्वारा किए गए जन घोषणापत्र पर का एक भी वादा पूरा नहीं हुआ है।

गांव गांव में लोग भूपेश सरकार को लबरा सरकार के नाम से जानने लगे हैं उन्होंने कहा कि सरकार धान खरीदी का समय बढ़ाएं और शीघ्र ही किसानों की समस्याओं का निराकरण करें अन्यथा किसान मोर्चा आगे भी बड़ा आंदोलन करने बाध्य होंगा। इस धरना में पूर्व कृषि मंत्री चंद्रशेखर साहू पूर्व संगठन मंत्री राम प्रताप सिंह पूर्व विधायक नवीन मार्कंडेय भाजपा प्रवक्ता संजय वास्तव अनिल नायक सहित अनेक भाजपा के नेता उपस्थित थे। किसान मोर्चा के राष्ट्रीय मंत्री पिंकी शिवराज शाह नगरी ब्लाक के बोरई सोसाइटी में किसानों के साथ धरना दिया एवं राज्य सरकार पर किसान विरोधी होने का आरोप लगाया। मोर्चा के प्रदेश प्रभारी संदीप शर्मा ने राजिम विधानसभा के कोपरा सोसाइटी में धरना दिया एवं नगाड़ा बजा कर कुंभकर्णी नींद में सोई हुई सरकार को जगाने का प्रयास किया । किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष श्याम बिहारी जायसवाल आज कोरिया जिला के खडगवां सोसाइटी में सैकड़ों किसानों के साथ धरना दिया एवं धान खरीदी का समय 15 फरवरी तक बढ़ाने की मांग की एवं मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा ।

पहली पुण्यतिथि पर पूर्व विधायक रोशनलाल को दी जाएगी श्रद्धांजलि

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। संघर्ष की मिसाल कायम करने वाले पूर्व विधायक व जननेता रोशनलाल अग्रवाल की मंगलवार 1 फरवरी को प्रथम पुण्यतिथि है। इस अवसर पर भाजपा कार्यकर्ताओं एवं उनके समर्थकों द्वारा उन्हें पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि देने करने के लिए रायगढ़ जिले के धरमजयगढ़ से लेकर सारंगढ़ तक सम्पूर्ण जिले में व कई गांवों में मास्क वितरण, फ्ल वितरण व हनुमान चालीसा का पाठ किया जा रहा है।

धरमजयगढ़ से सारंगढ़ तक अनेकानेक कार्यक्रम व परमार्थ कार्यो द्वारा भाजपा कार्यकर्ताओं व उनके समर्थकों ने एकनिष्ठ पार्टी के लिए काम करने वाले अपने नेता को याद करेंगे। जिसमें मास्क वितरण, फ्ल वितरण व हनुमान चालीसा का पाठ, सुन्दर काण्ड का पाठ आदि विविध कार्यक्रम कर श्रद्धांजलि देंगे। वहीं जिला भाजपा कार्यालय में दोपहर 12 बजे पुष्पांजलि अर्पित कर उनके जीवन पर प्रकाश डाला जाएगा। जिससे कार्यकर्ताओं को प्रेरणा मिल सके। इसी प्रकार सुबह 11 बजे भाजपा कार्यालय खरसिया में भी रोशनलाल अग्रवाल को श्रद्धांजलि अर्पित करने कार्यकर्ता उपस्थित होंगे और लोगो को मास्क वितरण कर स्थानीय अस्पताल के मरीजों को फ्ल वितरण किया जाएगा।

वहीं धरमजयगढ़, कापू, लैलूंगा, तमनार, घरघोड़ा, खरसिया, किरोड़ीमल नगर, महापल्ली, जामगांव, दर्रामुडा, एकताल, गढ़उमरिया, कोड़ातराई, पुसौर, नवापारा, कोडपाली, सरिया में चौक, बरमकेला व सारंगढ़ में भावभीनी श्रद्धांजलि देंगे। साथ ही रायगढ़ शहरी क्षेत्र में ढिमरापुर चौक, सत्तीगुड़ी चौक, सुभाष चौक, चक्रधर नगर चौक, जूटमिल चौक, स्टेशन चौक, शाहिद चौक, चाँदनी चौक सहित सैकड़ों स्थानों पर कार्यकर्ताओं द्वारा कोविड गाइडलाइन का पालन करते हुए श्रद्धांजलि कार्यक्रम रखा गया है।

गरीबों के लिए संजीवनी बनेगी मुख्यमंत्री हाट बाजार क्लिनिक योजना

श्रीकंचनपथ न्यूज

सूरजपुर। कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह ने जिला पंचायत सीईओ राहुल देव व सीएमचओ डॉ. आरएस सिंह की अगुवाई में मुख्यमंत्री हॉट बाजार क्लिनिक योजना की समीक्षा की।

जो दूरस्थ ग्रामीणों इलाकों में निवासरत गरीबों के लिए मुख्यमंत्री हाट बाजार क्लीनिक योजना संजीवनी साबित हो रही है। ग्रामीणों को उनके गांव में ही चलित अस्पताल के माध्यम से इलाज की सुविधा मिल रही है। कलेक्टर ने साप्ताहिक बाजार के दिन योजना का क्रियान्वयन को बढ़ावा देने निर्देश दिए। दैनिक जरूरतों की चीजें खरीदने वाले

ग्रामीण साप्ताहिक बाजार आते हैं। इसी दौरान बाजार में चलित अस्पताल के जरिए इलाज लोगो का ज्यादा से ज्यादा लाभ मिल सके। गरीबों का समय बचत हो और इलाज की सुविधा भी मिले इसके लिए टीम बना कर कार्य करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री हाट बाजार क्लिनिक योजना जहां बुजुर्गों के लिए वरदान है वहीं व्यस्त रहने वाले ग्रामीणों के लिए किसी उपहार से कम नहीं है। हर हफ्ते हाट बाजार क्लीनिक में जांच और इलाज की सुविधा से ग्रामीणों को त्वरित स्वास्थ्य सुविधा मिले इसके लिए कारगर रणनीति बनाने के निर्देश दिये। उन्होंने हाट बाजार में बीपी, शुगर, आर्थराइट्स आदि की जांच करने कहा इसके साथ ही उन्होंने बताया कि जितनी बिमारी की जांच किट के माध्यम से हो जाये वे सभी जांच हाट बाजार में जाने वाले टीम को ट्रेन करके भेजना सुनिश्चित करें। जिससे मुख्यमंत्री हाट बाजार योजना गरीबों के लिए संजीवनी साबित हो।

हाट बाजार में लोगों को अधिक से अधिक लाभ दिलाने के लिए वहां के कोटवार, रोजगार सहायक, सचिव के माध्यम जहां हाट बाजार लगने वाला है वहां के आस-पास के गांवों में सूचना पहुंचा दी जाये कि आज हाट बाजार क्लीनीक में क्या-क्या सुविधाएं एवं दवाईयां मिलने वाली है। इस दौरान अतिरिक्त पुलिस अधिक्षक हरीश राठौर, संयुक्त कलेक्टर शिव बनर्जी, डिप्टी कलेक्टर वहीदुर्ररहमान, सीएमएचओ आरएस सिंह, सिविल सर्जन शशी तिर्की, डीपीओ चन्द्रबेश सिसोदिया, आयुक्त आदिवासी विभाग के. विश्वनाथ रेड्डी, तहसीलदार ऋचा सिंह, नायब तहसीलदार हिना टण्डन, शिक्षा अधिकारी विनोद राय, पीओ के. एम. पाठक, डीडी पंचायत ऋषभ चंदेल, समस्त बीएमओ सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

कलेक्टर की समीक्षा बैठक : एक माह में पूरे हो इंग्लिश मीडियम स्कूलों के निर्माण कार्य

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। कलेक्टर श्रीमती रानू साहू ने कोरबा जिले के पांच स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूलों के सभी नवीनीकरण संबंधी निर्माण कार्य अगले एक महिने में पूरे करने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं।

उन्होंने वनांचलों में बांस आधारित आजीविका के अवसरों को बढ़ाने के लिए एफ्आरए से वनवासियों को मिली जमीनों पर बांस रोपण के प्रस्ताव अगले तीन दिनों में प्रस्तुत करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। कलेक्टर ने जिले में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं के खाली पदों पर भर्ती जल्द से जल्द करने को कहा है। श्रीमती साहू ने आज वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से स्कूल शिक्षा, आदिमजाति कल्याण और महिला एवं बाल विकास विभाग के जिले में चल रहे कामों की समीक्षा की कलेक्टर ने बिंदुवार इन विभागों की शासकीय

योजनाओं, प्राप्त लक्ष्य और अब तक हुई उपलब्धियों की जानकारी मीटिंग में मौजूद अधिकारियों से ली। कलेक्टर ने वित्तीय वर्ष समाप्ति तक सभी लक्ष्यों की शत-प्रतिशत पूर्ति के लिए विभागीय गतिविधियों में तेजी लाने को कहा। बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी जी.के.भारद्वाज, जिला कार्यक्रम अधिकारी आनंद प्रकाश क्रिसपोट्टा, सहायक आयुक्त के प्रतिनिधि के रूप में मंडल संयोजक सहित सभी विकासखंडों के सीईओ, बीईओ और अन्य मैदानी अधिकारी भी वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से मौजूद रहे।

बैठक में कलेक्टर ने करतला, कटघोरा, हरदीबाजार, पाली और पोंड़ी उपरोड़ा में निर्माणाधीन स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूलों की कार्य प्रगति की जानकारी ली। जिला शिक्षा अधिकारी ने बताया कि इन स्कूलों को वर्तमान में उच्चतर माध्यमिक स्कूलों के पुराने भवनों का नवीनीकरण कर शुरू कर दिया गया है। डीईओ ने बताया कि कटघोरा में स्कूल का नया भवन बनाने के लिए काम शुरू हो गया है। कलेक्टर ने नवीनीकरण के सभी काम अगले एक महिने में पूरे करने के निर्देश दिए।

उन्होंने इन स्कूलों में खाली शिक्षकों और अन्य पदों पर भी जल्द से जल्द नियुक्ति करने को कहा। श्रीमती साहू ने महतारी दुलार योजना के तहत पंजीकृत किये गये विद्यार्थियों की पढ़ाई के लिए पर्याप्त राशि का मांग पत्र भी स्कूल शिक्षा विभाग को भेजने के लिए निर्देशित किया।

महिला एवं बाल विकास विभाग के समीक्षा के दौरान कलेक्टर श्रीमती साहू ने जिले में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं के खाली पदों पर भर्ती की जानकारी अधिकारियों से ली और खाली पदों को 28 फरवरी तक भरने के निर्देश दिए। जिला कार्यक्रम अधिकारी क्रिसपोट्टा ने बताया कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं-सहायिकाओं की नियुक्ति के लिए शासन से छुट मिलने के बाद तीन कार्यकर्ताओं और 10 सहायिकाओं तथा हरदीबाजार में दो कार्यकर्ताओं एवं दो सहायिकाओं के नियुक्ति आदेश जारी कर दिए गये हैं।

शासकीय उचित मूल्य की दुकान का किया निरीक्षण

बालोद। छत्तीसगढ़ राज्य खाद्य आयोग के अध्यक्ष (केबिनेट मंत्री दर्जा) गुरप्रीत सिंह बाबरा ने आज नगर पंचायत गुण्डरदेही के शासकीय उचित मूल्य दुकान का निरीक्षण कर जायजा लिया। उन्होंने शासकीय उचित मूल्य की दुकान में चॉवल, शक्कर व केरोसिन की उपलब्धता की जानकारी ली।

खास-खबर

नशे के सामान की तस्करी करने वालों को पकड़ने टास्क टीम

बिलासपुर (ए)। नशीले पदार्थों की तस्करी और बिक्री करने वालों को पकड़ने के लिए एसपी पार्स्ल माथुर ने नारकोटिक सेल का गठन किया है। इसमें एक निरीक्षक समेत आठ पुलिसकर्मियों को शामिल किया गया है। सोमवार को एसपी पार्स्ल माथुर ने सोमवार को नारकोटिक सेल का गठन किया। इसमें निरीक्षक सुरेंद्र स्वर्णकार को टीम के नेतृत्व की जिम्मेदारी दी गई है। इसके अलावा सेल में चकरभाठा थाना प्रभारी मनोज नायक, साइबर सेल के एसआई सागर पाठक, आरक्षक दीपक उपाध्याय, अतुल सिंह, विवके राय, सत्य कुमार पाटले, हेमंत सिंह को शामिल किया गया है। गौरतलब है कि बीते दिनों रतनपुर पुलिस ने बिहार में रहने वाले गांजा तस्कर को पकड़ा था। आरोपित से गांजा तस्करी करने वालों की जानकारी मिली थी। इसके बाद से पुलिस गांजा तस्करों की तलाश में जुटी है। नारकोटिक सेल के गठन के बाद तस्करों को पकड़ने की कार्रवाई की जाएगी। एसपी पारुल माथुर ने नशीले पदार्थों की तस्करी और बिक्री करने वालों को पकड़ने नारकोटिक सेल का गठन किया है। यह अपनी तरह की पहली सेल है। इसमें अलग-अलग थानों में पदस्थ जवानों को शामिल किया गया है। इसमें दो थाना प्रभारी हैं। थानों से मिली जानकारी के आधार पर यह टीम कार्रवाई करेगी। सोमवार को एसपी पारुल माथुर के निर्देश पर सटोरियों के खिलाफ ताबड़तोड़ कार्रवाई की गई। इस दौरान सरकंडा पुलिस ने छह सटोरियों को पकड़ा है। इसके साथ ही सिविल लाइन में तीन, सिरगिट्टी में दो और कोतवाली थाने में एक सटोरिए के खिलाफ कार्रवाई की गई है। एसपी पारुल माथुर ने सटोरियों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई के लिए भी निर्देश दिए हैं।

बिजली का अवैध कनेक्शन काटने पर लाइनमैन की कर दी पिटाई

बिलासपुर (ए)। बेलगहना क्षेत्र में बिजली के अवैध कनेक्शन काटने पर ग्रामीणों ने लाइनमैन की पिटाई कर दी। मारपीट से आहत ने इसकी शिकायत बेलगहना चौकी में की है। पुलिस शासकीय काम में बाधा और मारपीट का मामला दर्ज कर आरोपित की तलाश कर रही है। बेलगहना में रहने वाले मनोज कुमार राजपूत बिजली विभाग में लाइनमैन हैं। शनिवार की दोपहर वे साथी कर्मचारियों रजनीकांत साहू और अशोक नेताम के साथ सोनसाय नवागांव में बिजली का मीटर लगाने गए थे। गांव में वे एक बिजली का मीटर लगा रहे थे। इसी बीच गांव के सीताराम श्याम, घनश्याम श्याम और चरण आए। तीनों ने अवैध कनेक्शन काटने की बात कहते हुए लाइनमैन से गाली-गलौज की। इसका विरोध करने पर उन्होंने लाइनमैन की पिटाई कर दी। मारपीट के बीच वहां मौजूद रजनीकांत और अशोक ने बीच-बचाव की। आहत लाइनमैन ने इसकी जानकारी विभाग के अधिकारियों को देकर बेलगहना चौकी में की है। इस पर पुलिस ने जुर्म दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। इस बीच आरोपित अपने घर से फरार हो गए हैं। अरोपित ग्रामीण अवैध कनेक्शन लेकर बिजली का उपयोग करते थे। विभागीय अधिकारियों के निर्देश पर लाइनमैन ने उनका कनेक्शन काट दिया था। साथ ही इस तरह की गतिविधियों की शिकायत विभाग में करने की चेतावनी भी दी थी। इस पर ग्रामीण उससे उलझने लगे। साथ ही गांव में आने पर मारपीट की धमकी दी थी। इस दौरान अन्य ग्रामीण भी मौजूद थे। विभाग के साथियों की मौजूदगी के कारण ग्रामीण चुप हो गए। रविवार को लाइनमैन अपने दो साथियों के साथ गांव पहुंचे थे। केवल तीन लोग होने के कारण ग्रामीणों ने उन पर हमला कर मारपीट की।

फिल्मी स्टाइल में किडनैपिंग

स्ट्रॉबेरी कारोबारी को अपहरण, पीटकर बोले दोबारा दुकान लगाई तो कर देंगे मर्डर

रायपुर (ए)। रायपुर में फिल्मी अंदाज में स्ट्राबैरी बेचने वाले कारोबारी का अपहरण कर लिया गया। बदमाश इसे अपने साथ नवा रायपुर लेकर गए। वहां मारा-पीटा रुपए छीन लिए और दोबारा दुकान लगाने पर मर्डर करने की धमकी दी, कुछ देर नवा रायपुर में ही व्यवसायी को घुमाने के बाद उसे सुनसान जगह पर छोड़कर अपहरणकर्ता भाग गए। अब इस मामले में रायपुर की पुलिस ने दो सगे भाइयों को गिरफ्तार किया है। इन दोनों ने ही इस अपहरण कांड की प्लानिंग की थी।

मामला शंकर नगर के भारत माता चौक इलाके का है। यहां नसीम नाम का व्यवसाय स्ट्राबेरी बेचने का काम करता है। कुछ दिन पहले इसे अमजद शेख नाम के युवक ने फोन कर धमकी दी थी अमजद ने दावा किया था कि उसके पिता भी यही स्ट्राबेरी बेचने का काम करते हैं अगर नसीम स्ट्राबेरी बेचेगा तो उसके पिता का धंधा ठप होगा। अमजद ने नसीम को धमकी भी दी थी और शहर छोड़कर चले जाने को कहा था। नसीम ने इसकी बात नहीं मानी।

सोमवार को भारत माता चौक के पास नसीम स्ट्राबेरी बेच रहा था तभी सफेद रंग की टाटा सफारी कार में चार लोग आए और अपने साथ जबरदस्ती नसीम को उठा ले गए। चारों बदमाश नसीम को नवा रायपुर लेकर गए नसीम के पास रखे 30,000 रुपए आधार कार्ड और दूसरे जरूरी डॉक्यूमेंट लूट लिए। आरोपियों ने नसीम को धमकी देते हुए कहा कि अमजद के कहने के बावजूद स्ट्राबेरी यहां बेच रहे हो तुम्हारी हत्या कर देंगे शहर छोड़कर चले जाओ। देर रात उन्होंने नसीम को छोड़ा और भाग गए इसके बाद मामला पुलिस के पास पहुंचा।

पकड़े गए आरोपी

नसीम ने पुलिस से मदद मांगी इसके बाद फौरन जांच टीम ने नवा रायपुर और आसपास के इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच की। नसीम ने धमकियों के बारे में भी बताया इसके बाद अमजद और उसके भाई अफजल को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। इन दोनों ने ही इस अपहरण कांड को अंजाम दिया था । अपहरण में दो और युवक शामिल थे जिनका नाम पंकज सोनी और हिमांशु वासनिक है। अमजद और अफजल को गिरफ्तार कर लिया गया है इनके दो साथी फिलहाल फरार हैं, जिनकी तलाश पुलिस को है आरोपियों ने बताया कि इनकी दुकान के करीब स्ट्राबेरी बेचने की वजह से रास्ते से हटाने के मकसद से नसीम का अपहरण किया गया था।

कोरोना के बढ़ते संक्रमण के बीच फिर बदली हाईकोर्ट से लेकर अधीनस्थ न्यायालयों की व्यवस्था

बिलासपुर (ए)। कोरोना के बढ़ते मामलों के मद्देनजर एक बार फिर हाईकोर्ट के साथ-साथ अधीनस्थ न्यायालयों के कामकाज को लेकर नई व्यवस्था बनाई गई है। प्रकरणों की फाइलिंग पूर्ववत ही रहेगी, लेकिन हाईकोर्ट में सुनवाई वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए होगी। वहीं अधीनस्थ न्यायालयों में जिला न्यायाधीश केसों की सुनवाई का निर्धारण करेंगे।

हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल संजय कुमार जैसवाल की ओर से जारी आदेश के तहत हाईकोर्ट में नए प्रकरणों की फाइलिंग काउंटर के जरिए ही होगा। कार्यालय में सेक्शन ऑफिसर और उनसे ऊपर के अधिकारी कार्यदिवस पर रोजाना मौजूद रहेंगे, लेकिन शेष स्टाफ कार्यदिवस पर रोटेशन के हिसाब से महज 50 प्रतिशत ही मौजूद रहेगा। किसी भी अधिकारी अथवा कर्मचारी को बिना अनुमति के मुख्यालय छोड़ने की इजाजत नहीं होगी। इसके अलावा कार्यालय में थर्मल स्केनिंग, मास्क पर व्यक्तिगत के साथ-साथ सीसीटीवी से जरिए निगरानी रखी जाएगी। अधीनस्थ न्यायालयों में भी नए प्रकरण लिए जाएंगे, लेकिन कौन से न्यायालय में कितने प्रकरण लिए जाएंगे, इसका निर्धारण सोशल डिस्टेंसिंग को ध्यान में रखते हुए संबंधित न्यायालय करेंगे, या फिर जिला न्यायाधीश इसके लिए निर्देशित करेंगे। मास्क नहीं लगाए जाने अथवा सोशल डिस्टेंसिंग का पालन नहीं करने पर वैधानिक कार्रवाई के साथ-साथ भविष्य में न्यायालय में प्रवेश पर रोक भी लगाई जा सकती है। इसके साथ ही न्यायालय में केवल उन्हीं अधिवक्ताओं को प्रवेश की अनुमति दी जाएगी, जिनके प्रकरणों की सुनवाई होनी है। एक केस में केवल दो अधिवक्ताओं को ही प्रवेश की अनुमति दी जाएगी।

बता दें कि देश में कोरोना संक्रमितों की संख्या बढ़ रही है। वहीं मौतों में भी इजाफा हुआ है। हां कुछ राज्यों में राहत भरी खबर अवश्य है। छत्तीसगढ़ में शनिवार को प्रदेश भर के 15 मरीजों की मौत हुई है। इनमें से 8 को कोरोना के अलावा कोई दूसरी बीमारी नहीं थी। रविवार को इसकी संख्या कम रही।

हत्या कर मुंह में ठूंस दी शराब की बोतल

दुकान में सोने गया था, सुबह खून से लथपथ मिली लाश

बिलासपुर (ए)। बिलासपुर में एक अधेड़ की हत्या कर दी गई है। उसके मुंह में शराब की बोतल भी डाल दी गई। किसी धारदार हथियार से उसे मारा गया है। रविवार रात को वो दुकान में सोने गया था। सुबह खून से लथपथ उसकी लाश मिली मामला चकरभाठा थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, परसदा निवासी भगतराम कौशिक(52) गांव में ही किराना दुकान चलाता था। घर से कुछ दूर में ही उसकी किराने की दुकान है। वह हमेशा अपनी किराना दुकान में ही सोया करता था। रविवार रात को भी वह खाना पीकर खाकर 10 बजे दुकान में सोने चला गया था। इसी दौरान उसकी हत्या की गई है।

सामान लेने गए तब पता चला

घटना के जानकारी घरवालों को उस समय लगी तब कुछ लोग सुबह दुकान में सामान लेने पहुंचे। उन्होंने देखा कि दुकान का शटर का ताला खुला है। मगर दुकान बंद है। भगतराम को आवाज देने पर कोई आवाज भी नहीं दे रहा था। इसके बाद लोगों ने इस बात की जानकारी भगतराम के घरवालों को दी। तब वे मौके पर पहुंचे तब उन्होंने भगतराम की लाश खून से लथपथ हालत में देखी। उन्होंने देखा कि उसके मुंह की शराब की शीशी ठूस दी गई है। आस-पास खून ही खून है। गले में किसी धारदार हथियार से वार के निशान थे। ये देखकर परिजनों ने इस बात की सूचना पुलिस को भी दी थी। खबर लगते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की गई है। पुलिस का कहना है कि प्रथम दृष्यता में ये मामला हत्या का ही है। पुलिस ने बताया कि दुकान के गल्ले में एक लाख रुपए कैश और कुछ छुट्टे पैसे भी रखे हुए थे। जिसे आरोपी नहीं ले गए हैं। इसका मतलब ये है कि आरोपी हत्या करने की है मकसद से दुकान में घुसे थे। फिलहाल मामले की जांच जारी है।

जमीन विवाद भी जांच का एंगल

इस मामले में पुलिस अलग-अलग एंगल से भी जांच कर रही है। बताया गया कि भगतराम ने कुछ समय पहले ही गांव में एक जमीन खरीदी थी। उसी जमीन में उसका एक और घर भी बन रहा है। रविवार रात को उस निर्माणाधीन घर में उसका बेटा सो रहा था। ऐसे में पुलिस को शक है कि मामला जमीन विवाद से भी जुड़ा हो सकता है।

सैनिक की जमीन को अपना बताकर बेचने वाला एक दलाल गिरफ्तार

भिलाई। जुनवानी निवासी सैनिक लुकेश साहू की जमीन को फर्जी तरीके से बेचने वाले आरोपितों में से एक को नंदिनी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। कर्मचारी नगर शिव मंदिर के पास दुर्ग निवासी आरोपित मोदित पटेल (35) ने अपने दोस्तों के साथ मिलकर ये फर्जीवाड़ा किया था। पुलिस बाकि के आरोपितों की भी तलाश कर रही है। नंदिनी थाना प्रभारी एसएन सिंह ने बताया कि सैनिक लुकेश साहू वर्तमान में जम्मू कश्मीर में पदस्थ है। उसने वर्ष 2010 में अपने मामा तुलसी राम साहू के आम मुख्तयार नामा की अरसनारा स्थित जमीन को अपने दोस्त अश्विनी चंद्राकर के साथ मिलकर खरीदा था।

अवैध कोयला कारोबारियों पर शिकंजा, परिवहन में इस्तेमाल गाड़ियां व भंडारित कोयला जब्त

कोरबा (ए)। लंबे समय से प्रदेश में खनि संपदा की अवैध कारोबार पर शिकायतें मिल रही थी। अब जाकर माफियाओं पर नकेल कसने की कोशिश की जा रही है। इसी के तहत जिले में अवैध रेत के कारोबार पर कार्रवाई के बाद प्रशासन ने अब गैर कानूनी रूप से कोयले का कारोबार करने वालों पर नकेल कस दी है।

सालों की शिकायतों के बाद शासन और प्रशासन मिलकर एसईसीएल के कुसमुंडा क्षेत्र में कार्रवाई की है। बरमपुर-सर्वमंगला नगर में अवैध रूप से कोयले का परिवहन करते एक टिपर को जब्त किया है। वहीं भंडारित कई ट्रक कोयले की भी जप्ती की गई है।

बता दें कि बीती रात लगभग 2 बजे राजस्व विभाग की टीम ने एसईसीएल के कुसमुंडा क्षेत्र से बरमपुर-सर्वमंगला नगर में अवैध रूप से कोयले का परिवहन करते एक टिपर को जब्त किया। राजस्व अधिकारियों की इस टीम ने वाहन चालक से टिपर में लदे कोयले के संबंध में रायल्टी पर्ची आदि दस्तावेजों की मांग की, जिन्हें दिखा नहीं पाया। अवैध कोयले के परिवहन में लगे इस टिपर को जब्त कर लिया गया है।

वहीं इस कार्रवाई के बाद सुबह राजस्व अधिकारियों की टीम ने कोरबा तहसील के नकटीखार रिंग रोड पर टोयटा सर्विसिंग सेंटर के पास के कोल यार्ड में दबिश दी। इस कोल यार्ड में भारी मात्रा में अवैध रूप से भण्डारित कोयला पकड़ाया है। अवैध रूप से संचालित यह कोल यार्ड नवनीत पलेरिया उर्फ अंशु पलेरिया का बताया जा रहा है। जांच के दौरान कोल यार्ड में 2 कोयला लोडेड टिपर, एक खाली टिपर, दो कोयला लोडेड मेटाडोर, एक लोडर जेसीबी और तीन ट्रिप टेलर भी जब्त किए गए।

वहीं इस दौरान कार्रवाई में बाधा पहुंचाने के उद्देश्य से लगभग 15-20 लोग बेस बॉल बैट, डंडा आदि लेकर मौके पर पहुंचे और अधिकारियों पर दबाव बनाने की कोशिश की। राजस्व अधिकारियों की टीम ने पहले ही रामपुर चौकी प्रभारी को दबिश की जानकारी दे दी थी। राजस्व अधिकारियों की टीम ने इसके बाद खनिज विभाग के अधिकारियों को बुलाकर अवैध कोयले की जब्ती की कार्रवाई की। जब्त कोयले की मात्रा, रॉयल्टी चोरी, राजस्व हानि आदि का आंकलन खनिज विभाग की कार्रवाई के बाद ही होगा।

नये लुक एवं वैरायटी में सागौन लकड़ी द्वारा निर्मित
अरिहंत फर्नीचर शो रुम | नमन सेल्स फर्नीचर शो रुम
20% डिस्काउंट के साथ उपलब्ध
• सागौन निर्मित इंडियन मॉडल, वॉल मॉडल, डी मॉडल गुजराती सोफा
• लकड़ी सोफा 9500/- से शुरू (वारंटी के साथ)
• लकड़ी पलंग हाई क्वालिटी के साथ
• स्टील आलमारी आटोमेटिक प्लांट द्वारा निर्मित, भट्ठी पेंट वाली
• कम्प्यूटर टेबल, ऑफिस टेबल, ड्रेसिंग टेबल कम्प्यूटर चेयर ऑफिस चेयर इत्यादि की वैरायटी
आजाद मार्केट, रिसाली
(भिलाई मसाला उद्योग के पीछे), भिलाई, मो. 9424151009, 9301188428

दुल्हन बैंगल्स & फैंसी
RUPESH KUMAR
Mob.-9840760388
7987759030
Specialist : Wedding mix match bangles, Glass bangle, Plastic bangle. Saree pin, Bindi, Rubber Band. Bracelet, Butter Fly, Ear ring and many more
कृष्णा टाकिज रोड, विजय भवन के पास, रिसाली, भिलाई
जलाराम मिष्ठान के सामने, इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान
कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान हाई स्कूल के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध
Rakesh Sahu
9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

MemSaheb
JOCKEY UNDERWEAR IS OUR PASSION
Ladies wear
JULIET
Shop No. 57, A Market, Sec-6 Bhilai
Om Prakash
9926004441,
0788-2284341

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले, पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई,
फोन. 2284508, मो. 9826137766

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. _- 82349 - 21000

मिस एंड मिसेस
लेडिस वेयर
• गाऊन
• ब्रा. पेन्टी
• नाईटी
• ब्लाउज
सभी प्रकार के अंडरगारमेंट्स की विशाल रेंज
शॉप नं-113, सेक्टर-6, ए मार्केट भिलाई

न्यू अप्सरा साड़ी सेन्टर
घाघरा, चुन्नी, कुर्ती, डिजाइनर साड़ियां सलवार सूट
सेल्स गर्ल की आवश्यकता है
शॉप 151, ए-मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन-2284063

माँ दुर्गा ज्वेलर्स
सोने एवं चांदी के आभूषणों विक्रेता
उचित ब्याज में गिरवी रखी जाती है
शॉप नं. 69, सी-मार्केट
सेक्टर-6, भिलाई
मो. 9424124911

भारतीय बैग हाउस
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता: 93003-77572

खास - खबर

जिले में राष्ट्रीय सघन मिशन इंद्रधनुष अभियान 7 से होगा प्रारंभ

दुर्ग। कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेंद्र भुरे के निर्देशानुसार कोविड-19 महामारी के दौरान टीकाकरण कार्यक्रम के कवरेज में सुदृढ़ीकरण हेतु सघन मिशन इंद्रधनुष 2022 अभियान जिले में चलाया जाएगा। डॉ. सीबीएस बंजारे, जिला टीकाकरण अधिकारी ने बताया कि सघन मिशन इंद्रधनुष अभियान के अंतर्गत जिले में 0 से लेकर 2 वर्ष तक आयु वर्ग के बच्चे एवं गर्भवती महिलाओं को नियमित टीकाकरण के साथ-साथ ड्रॉप-आउट एवं लेफ्ट-आउट बच्चों को टीकाकरण किया जाएगा। अभियान को 3 राउण्ड में होगा, प्रथम, द्वितीय और तृतीय राउंड क्रमशः 7 फरवरी, 7 मार्च, 4 अप्रैल 2022 को चलाया जाएगा। इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए टीकाकरण दल में स्वास्थ्य अधिकारी के कर्मचारीगण, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, मितानिन, कोटवार का सहयोग लिया जाएगा। जिले स्तर से समस्त जिला कार्यक्रम अधिकारियों एवं विकास खंड चिकित्सा अधिकारी और सुपरवाइजर द्वारा क्षेत्र का निरीक्षण किया जाएगा।

निवेशकों के हित के संरक्षण के लिए दंडाधिकारी कर रहे है न्यायिक कार्रवाई

दुर्ग। साई प्रकाश प्रॉपर्टीज डेवलपमेंट लिमिटेड कंपनी द्वारा विगत कई वर्षों से लोक लुभावन स्कीम दिखाकर अनेक निवेशकों से राशि जमा कराई जा रही थी। निवेशकों द्वारा जमा की गई राशि समयावधि में भुगतान न कर, उनके साथ धोखाधड़ी की गई। कंपनी के डायरेक्टर और कंपनी से जुड़े हुए अन्य व्यक्तियों ने आम जनता की निवेशित राशि का उपयोग चल और अचल संपत्तियों में स्वयं के लिए किया। जिला और पुलिस प्रशासन के द्वारा इसे संज्ञान में लेते हुए, आरोपी कंपनी की संपत्तियों को कुर्क किये जाने हेतु कार्रवाई न्यायालय द्वारा की जा रही है, जिसकी आगामी सुनवाई की तिथि 7 फरवरी 2022 को तय की गई है। कंपनी में निवेश किये गये निवेशकों और हितबाधित नागरिक दी गई तिथि में न्यायालय कलेक्टर दुर्ग के समक्ष दोपहर 3 बजे उपस्थित होकर अपना पक्ष रख सकते है।

क्रेडिट कार्ड संबंधित शिकायतों के निवारण के लिए एसबीआई ने लगाया शिविर

दुर्ग। क्रेडिट कार्ड से संबंधित उपभोक्ताओं के शिकायत के निदान के लिए एसबीआई 13 जनवरी से 20 जनवरी तक भिलाई क्रेडिट कार्ड आफिस में शिविर लगाया गया। शिविर में एसबीआई क्रेडिट कार्ड एंड पेमेंट सिस्टम्स के अधिकारी उपस्थित रहे तथा प्रकरणों का परीक्षण किया। कैंप में 548 आवेदन लिये गए। उल्लेखनीय है कि कलेक्टर जनदर्शन में भी आवेदकों ने क्रेडिट कार्ड से संबंधित कुछ शिकायत की थी, जिन पर कार्रवाई करने के लिए कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेंद्र भुरे ने लीड बैंक आफिसर को कहा था। शिविर में दिल्ली से एसबीआई क्रेडिट कार्ड एंड पेमेंट सर्विसेज के प्रसेनजीत धर, असिस्टेंट वाइस प्रेसीडेंट , सूरत सिंह, असिस्टेंट मैनेजर रायपुर, अजय रावत, असिस्टेंट मैनेजर गुड़गांव, हेमंत पटोदे, असिस्टेंट मैनेजर भोपाल, सुमन सहगल, भोपाल मौजूद थे। उल्लेखनीय है कि कुछ उपभोक्ताओं ने शिकायत की थी कि उन्होंने क्रेडिट कार्ड नहीं लिया, फिर भी उनके एकाउंट से कार्ड के लिए वार्षिक फीस कटा है।

मृतक के परिजनों के लिए आर्थिक सहायता

दुर्ग । प्राकृतिक आपदा से मृत्यु हो जाने पर मृतक के परिजनों के लिए आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई है। इनमें स्व. अवधराम यादव की तालाब में डूबने से और स्व. तुलसी साहू एवं स्व. श्रीमती ज्वाला सेन की आग लगने से हुई मृत्यु के लिए उनके परिजनों के लिए क्रमशः 4-4 लाख रूपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई है।

4.10 करोड़ से शहर के सरकारी स्कूलों का हो रहा जीर्णोद्धार

छात्र छात्राओं को सुंदर व सुरक्षित वातावरण में मिलेगी शिक्षाः वोरा

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। निगम क्षेत्र के अंतर्गत प्रमुख स्कूलों में से शासकीय बहुद्देशीय, आदर्श कन्या, शहीद चंद्रशेखर जैसे 5 दशकों से भी अधिक पुराने भवनों में संचालित किए जा रहे स्कूलों का अब कायाकल्प होने जा रहा है। जिसके अंतर्गत लगभग 36 लाख की लागत से जेआरडी स्कूल, 26 लाख की लागत से आदर्श कन्या विद्यालय एवं 48 लाख से शहीद चंद्रशेखर स्कूल का संधारण पूर्व में ही प्रारंभ कराया जा चुका है। साथ ही दीपक नगर स्कूल का स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम स्कूल के रूप में उन्नयन करने लगभग 1.4 करोड़ की राशि खर्च की जा रही है।

जिले के सबसे बड़े जे आर डी मल्टीपर्पस स्कूल के लिए 36 लाख की लागत को अपर्याप्त देखते हुए वरिष्ठ कांग्रेस विधायक एवं राज्य भंडारगृह निगम के अध्यक्ष अरुण वोरा की पहल पर 1.5 करोड़ की अतिरिक्त राशि जारी कराई गई है जिससे वर्षों पुरानी जर्जर स्कूल भवन के स्थान पर सुरक्षित एवं सुंदर कक्षाओं का निर्माण किया जाएगा। जिसमें कक्षाओं, लैब, खण्पर एवं शौचालय संधारण का कार्य कर पुराने भवन को नया स्वरूप दिया जाएगा।

निर्माण कार्य प्रारंभ करने के पूर्व निरीक्षण पर पहुंचे वरिष्ठ विधायक वोरा ने कहा कि जेआरडी स्कूल जिले का सबसे बड़ा स्कूल है साथ ही सभी ऐतिहासिक विद्यालय दशकों पुराने हैं जहां से पढ़ने वाले प्रतिभावान विद्यार्थी आज उच्च पदों पर विभिन्न सेवाओं में कार्यरत हैं एवं राज्य व देश की सेवा कर रहे हैं। किंतु पूर्ववर्ती भाजपा सरकार ने लगातार शिक्षा के क्षेत्र में अनदेखी की जिससे भवन जर्जर व असुरक्षित होते गए।

किन्तु प्रदेश में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में कांग्रेस की सरकार बनने के साथ ही हमने जन शसक्तीकरण हेतु स्वास्थ्य एवं शिक्षा के ऊपर अत्यधिक फोकस कर मिशन मोड पर कार्य किया है। गरीब परिवारों के होनहार विद्यार्थियों के लिए अच्छी अंग्रेजी शिक्षा हेतु आत्मानंद स्कूल अपने आप मे अनुकरणीय पहल है। साथ ही दशकों पुराने स्कूल भवनों का संधारण एवं सौंदर्यकरण कर विद्यार्थियों को स्वच्छ एवं सुरक्षित वातावरण तैयार कर शिक्षा की तरफ आकर्षित करने का प्रयास किया जा रहा है। आने वाले समय में इन स्कूलों से और भी मुखर एवं बेहतर प्रतिभाएं निश्चित रूप से हमें हर क्षेत्र में देखने को मिलेंगी। इस दौरान महापौर धीरज बाकलीवाल, पूर्व महापौर शंकर लाल ताम्रकार,एल्डरमैन राजेश शर्मा स्कूलों प्राचार्य एवं शिक्षक शिक्षिकाएं उपस्थित थे।

बार रॉड मिल ने 70,000 टन उत्पादन का संचयी कीर्तिमान किया स्थापित

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई । सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र की महत्वपूर्ण इकाई बीआरएम ने संचयी उत्पादन का नया कीर्तिमान बनाने में कामयाबी हासिल की है। विदित हो कि बीएसपी का बार एवं रॉड मिल ने दिसम्बर 2018 से नियमित प्रोडक्शन कर रहा है। इस मिल ने अपनी दक्षता को सिद्ध करते हुए प्रारंभ से अब तक 70,000 टन संचयी उत्पादन का नया रिकॉर्ड बनाकर मील का पत्थर पार किया। बीआरएम ने उत्पादन के इस मील के पत्थर को आज दिनांक 31 जनवरी, 2022 के प्रथम पाली में प्राप्त किया है। बीआरएम की संकल्पित टीम ने संचयी उत्पादन के रिकॉर्ड के साथ-साथ 30 जनवरी 2022 को 12 एमएम टीएमटी बार में एक नया मासिक कीर्तिमान स्थापित करते हुए अक्टूबर, 2021 को उत्पादित 67469 टन उत्पादन को पीछे छोड़ा।

बीआरएम ने उत्पाद की गुणवत्ता को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए 100 प्रतिशत ग्राहक संतुष्टि को अपना लक्ष्य रखा है। बीआरएम, ग्राहक संतुष्टि को ध्यान में रखते हुए अपने प्रक्रिया एवं कार्यविधि मे सदैव ही नई तकनीकियों का समावेश करते रहा है जिससे ग्राहकों को बेहतर एवं गुणात्मक उत्पाद प्राप्त होता रहे। विभाग की इस सफलता पर संयंत्र के उच्च प्रबंधन ने बीआरएम के सभी कार्मिकों को बधाई दी तथा यह विश्वास प्रकट किया कि बीआरएम बिरादरी की यह ऊर्जावान टीम आने वाले समय में और भी नए कीर्तिमान बनाएगी।

विभागाध्यक्ष मुकेश गुप्ता ने इस उपलब्धि पर सम्पूर्ण मिल बिरादरी को बधाई देते कहा कि यह हमारी टीम के सामूहिक प्रयास, समयबद्ध मैंटेनेंस तथा संबंधित विभागों के पूर्ण सहयोग से ही यह सब संभव हुआ है। उन्होंने पूरे टीम को आगामी लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए दृढ़ संकल्पित किया। उन्होंने पूरे विश्वास से प्रबंधन को आश्वस्त किया कि बीआरएम बिरादरी की यह स्वप्रेरित टीम भविष्य में सभी लक्ष्यों को प्राप्त कर लेगी और ऐसे ही कीर्तिमान बनाते रहेगी।

गीला-सूखा कचरा अलग देने से स्वच्छता दीदियों को हो रही है आमदनी

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। निगमायुक्त हरेश मंडावी के निर्देश पर स्वास्थ्य अधिकारी गिरीश दीवान के नेतृत्व एवं नोडल अधिकारी जावेद अली के मार्गदर्शन में स्वच्छता निरीक्षण, सफाई दरोगा एवं सुपर वाइजरो और शहर के सभी जीरो वेस्ट सेंटर इंचार्ज वहाँ अपने-अपने वार्डो के प्रत्येक घरों में जाकर सफाई कर्मी दीदियों द्वारा घरों से कचरा लिया जा रहा है,कचरा सेलिग्रेट करके निगम स्वच्छता दीदियों कर रही है आमदनी

आम नागरिको द्वारा गीला-सूखा कचरा अलग अलग डस्टबीन में रखकर सभी नागरिक देते है। जो नही देते है उन्हें समझाइस दे, अगली बार कचरा अलग-अलग नही देने पर तत्काल जुर्माना कार्रवाही की जाएगी। हर घर निगम पहुचकर निगम द्वारा अभियान चलाया गया है गीला-सूखा कचरा अलग-अलग देने अभियान शुरू, अपने घरों में अब दो डस्टबिन रखने की आदत डाल लें। एक सूखे और दूसरी गीले कचरे के लिए। नगर निगम दुर्ग का स्वास्थ्य विभाग अमला आज से वार्डों में जाकर समझाइश देते रहे। निगम ने घरों से निकलने वाले 100 फीसदी कचरे को ऑन दि स्पाट यानी उसी जगह पर अलग-अलग करने का अभियान छेड़ दिया है। इसके तहत लोगों को समझाएंगे कि कैसे सूखा और गीला कचरा अलग-अलग करें।डोर-टू-डोर अभियान के तहत नगर निगम दुर्ग ने शुरवात कर दी है।निगमायुक्त हरेश मंडावी ने बताया कि शहर को कचरा मुक्त बनाने के लिए, सभी वार्डों में जागरूकता अभियान शुरू किया गया है । उन्होंने कहा ताकि लोग हर घर से अपना-अपना कूड़ा सफाई कर्मचारी को सौंप दें और शहर को स्वच्छ बनाने में सहयोग करें। उन्होंने बताया कि इस अभियान को सफल बनाने के लिए, निगम ने इन दिनों शहर में से गीला-सूखा कचरा अभियान शुरू कर चुकी है।

लापरवाही पर साधी चुप्पी, नाली बनाते बनाते पाइप को किया क्षतिग्रस्त, रिसाली निगम को 32 लाख का नुकसान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रिसाली। पाटन - मरोदा मार्ग चौड़ी करण कार्य मे लोकनिर्माण विभाग दुर्ग संभाग के ठेकेदार लापरवाही बरत रहे है। सोमवार को निर्माण कार्य मे लगी जेसीबी मशीन को लापरवाही पूर्वक चलाने से दो अलग जगह पर बिछाई गई भूमिगत मुख्य पाइप लाइन क्षतिग्रस्त हो गई। इससे निगम को लगभग 32 लाख की क्षति हुई है।

मुख्य मार्ग चौड़ी करण और नाली निर्माण कार्य से नगर पालिक निगम को न केवल क्षति हो रही है , बल्कि आम लोगो को तकलीफहो रही है। लापरवाही से कार्य करने की वजह से टैंकी मरोदा स्थित भूमिगत पाइप लाइन 100 एमएम डाया का 400 मीटर पाइप पूरा तरह क्षतिग्रस्त हो गया। इसी तरह नेवई में 700 मीटर पाइप उपयोग के लायक ही नही रहा। सहायक अभियंता आर के जैन ने बताया कि इस लापरवाही से निगम को क्रमशः 13 लाख व 19 लाख का नुकसान हुआ है।

सूचना मिलते ही निगम के अधिकारियों नर पहले स्थल निरीक्षण किया। मरम्मत के निर्देश दिए। बाद में खुलासा हुआ कि पाइप पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई है। इसके बाद अधिकारियों ने कार्य को बंद कराया और निर्माण कार्य मे लगे मिक्सर मशीन को जब्त कर कार्यालय परिसर लाया।

घटना के बाद निगम के अधिकारियों ने लोकनिर्माण दुर्ग संभाग के एसडीओ से लगातार संपर्क करने का। प्रयास किया, लेकिन अधिकारी ने अपना मोबाइल रिसीव नही किया और नही वापस काल बैक किया।

उल्लेखनीय है कि निगम चुनाव के पहले भी पाइप क्षतिग्रस्त होने की घटना घट चुकी है। तब निगम के अधिकारियों ने जेसीबी मशीन को नेवई पोलिस के हवाले किया था। मामला इस बात पर सुलझ गया था कि लोकनिर्माण विभाग ने हर्जाना देने का आस्वासन दिया था। अधिकारियों का कहना है कि पाइप लाइन को नही बदला गया तो नेवई ओवर हेड टैंक को भरने में समस्या होगी।

पाइप लाइन बदलने में 32 लाख का खर्च होगा। आयुक्त आशीष देवांगन ने लोकनिर्माण विभाग दुर्ग संभाग को कड़ा पत्र लिखा है। पत्र में पाइप लाइन बदलने में होने वाली खर्च की मांग की गई है।

निगमायुक्त प्रकाश सर्वे के रेगुलर मार्निंग विजिट से सफाई व्यवस्था में आया सुधार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। निगम आयुक्त प्रकाश सर्वे भिलाई के कोने-कोने में पहुंचकर सफाई व्यवस्था का जायजा मॉर्निंग विजिट के दौरान ले रहे है। जिससे सफाई व्यवस्था में सुधार हो रहा है। सफाई कर्मचारी भी समय पर उपस्थित होकर अपने कार्यो को अंजाम दे रहे है।

आयुक्त अचानक कहीं भी किसी भी क्षेत्र में पहुंच रहे है, सफाई और पानी का सघन और तंग गलियों में दौरा कर जायजा ले रहे है। इस दौरान वे लोगो से फीडबैक भी ले रहे है, जहां कहीं शिकायत प्राप्त होती है उनके वे त्वरित समाधान करने अधिकारियों को निर्देशित कर रहे है। आज आयुक्त ने संजय नगर सुपेला के कई अंदरूनी बस्ती में सफाई एवं पेयजल का जायजा लिया। उन्होंने नाली सफाई भी देखी और सफाई कर्मचारियों की उपस्थिति पंजी का भी अवलोकन किया। आयुक्त के अचानक दौरे को लेकर निचले स्तर से लेकर अधिकारी लेवल में भी सर्तकता नजर आ रही है। स्वच्छ सर्वेक्षण 2022 को लेकर आयुक्त डोर टू डोर कचरा कलेक्शन का जायजा ले रहे है, वहीं उन्होंने सूखा एवं गीला कचरा अलग-अलग देने की अपील भी की है। मॉनिंग विजिट करने से एक प्रकार से सफाई कर्मचारियों का मनोबल भी उंचा हो रहा है और सफाई में तेजी आ रही है।

राजस्व प्रभारी सीजू एंथोनी ने ली विभाग की बैठक

शासन की महत्वकांक्षी योजना पर अमल करने पर जोर

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई । राजस्व विभाग के प्रभारी सीजू एंथोनी ने विभाग की बैठक ली। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों से कहा कि शासन की महत्वकांक्षी योजना जो राजस्व विभाग से जुड़ी हुई है इस पर प्रमुखता से कार्य करें। छत्तीसगढ़ शासन के माननीय मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल की मंशा अनुरूप विभाग में संचालित योजनाओं में तीव्रता लाए, ताकि आमजन को अनावश्यक ऐसे कार्यो के लिए भटकना न पड़े। लीज होल्ड, फ्री होल्ड पर भी उन्होंने तेजी लाने कहा है।

इसके अलावा राजस्व वसूली की समीक्षा उन्होंने की। राजस्व वसूली पर उन्होंने कहा कि 31 मार्च 2022 तक शत-प्रतिशत वसूली लक्ष्य के अनुरूप होनी चाहिए, इसके लिए अभी से कार्य करना प्रारंभ कर दें। निगम क्षेत्र अंतर्गत अवैध निर्माण को रोकने ठोस कदम उठाने राजस्व प्रभारी ने कहा है और ऐसे लोगों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्यवाही करने भी बैठक में सहमति बनी। वर्ष 2021-22 की वसूली की उन्होंने समीक्षा की।

बता दे कि मार्च माह के अंतिम तारीख तक टैक्स जमा नहीं करने वालों से अधिभार लिया जाएगा, वहीं शास्ती की राशि भी करदाता को चुकानी होगी। निगम प्रशासन करदाताओं से अपील करती है कि समय पर अपना टैक्स जमा कर दें और अतिरिक्त अधिभार देने से बचें। उल्लेखनीय है कि महापौर नीरज पाल एवं निगम आयुक्त प्रकाश सर्वे ने राजस्व वसूली को लेकर विशेष फोकस करने अधिकारियों को निर्देश दिए है। आज की बैठक में राजस्व अधिकारी एन. आर. रत्नेश, बी. एल. असाटी, दिनेश बेलचंदन, उपाध्याय एवं अन्य अधिकारी/कर्मचारी मौजूद रहे।

इन्होंने लंबे समय से नहीं दिया टैक्स हो सकती है बड़ी कार्रवाई

वर्षो से टैक्स नहीं देने वाले करदाताओं के नाम भिलाई निगम ने सार्वजनिक करने अवगत कराया था, फिर भी टैक्स नहीं देने वालों के नाम भिलाई निगम आज सार्वजनिक कर रहा है। ऐसे करदाताओं पर नियमानुसार कार्यवाही भी प्रारंभ करने की प्रक्रिया तेज हो गई है।

इन करदाताओं पर निगम अधिनियम की धारा 173, 174 तथा 175 के तहत कार्यवाही हो सकती है। रमेश कुमार साहू का 1999 से 2020 तक, विजय प्रकाश 2009 से 2020 तक, मेसर्स महावीर डेवलपर्स 2019 से 2020 तक, बृजमोहन सिंह 2016 से 2020 तक, लोकेश चैहान 1999 से 2020 तक, राम राखी देवी 1999 से 2020 तक, सुचिता तिवारी 1999 से 2020 तक, रविन्द्र सिंह कुशवाहा 1999 से 2020 तक, भागवत गोविंदा बरहारे 2011 से 2020 तक, विदेशीराम निर्मलकर 2016 से 2020 तक, अनिल अग्रवाल 1999 से 2020 तक, विजय कोरो 1999 से 2020 तक, सनमुख दारा 2013 से 2020 तक, गणेश लाल दास गुप्ता 2007 से 2020 तक, बीके स्टील आर के गोयल 2018 से 2020 तक, मूलचंद पटेल 2014 से 2020 तक, राजकिशोर गुप्ता 1999 से 2020 तक, दर्शनलाल खेमाणी 1999 से 2020 तक, डी.एस. रावत 2017 से 2020 तक, शशि राठी 2014 से 2020 तक, मानसिंह 2009 से 2020 तक, मंजू सिंह 1999 से 2020 तक, एस.लाला लजपत 2015 से 2020 तक, वीरेन्द्र बहादुर सिंह 1999 से 2020 रामहित 2003 से 2020 तक, अरूणा मिश्रा 1999 से 2020 तक, अब्दुल सत्तार 2012 से 2020 तक, बिंदा सिंह 1999 से 2020 तक, सेवा भारती बनवासी 1999 से 2020 तक, मालाई भवते 2011 से 2020 तक, प्रकाश कौर 2010 से 2020 तक, डी.एम. रिंग जोगेन्दर निर्मल 1999 से 2020 तक, कुलवंत राय गुप्ता 2018 से 2020 तक आदि है।

स्वच्छ भारत मिशन शहरी के तहत एफएसटीपी निर्माण हेतु 150 लाख की लागत को स्वीकृति

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर पालिक निगम महापौर धीरज बाकलीवाल की अध्यक्षता में एमआईसी की बैठक हुई। बैठक में सभापति राजेश यादव, लोक कर्म प्रभारी, अब्दुल गनी, वित्त विभाग दीपक साहू, राजस्व और बाजार प्रभारी ऋषभ जैन, जलकार्य प्रभारी संजय कोहले, पर्यावरण प्रभारी सत्यवती वर्मा, सामान्य प्रशासन प्रभारी जयश्री जोशी, स्वास्थ्य विभाग प्रभारी हमीद खोखर, महिला बाल विकास प्रभारी जमुना साहू, शिक्षा और खेल विभाग प्रभारी मनदीप सिंह भाटिया के कार्यपालन अभियंता नेमीचंद जैन,कार्यपालन अभियंता मोहन पुरी गोस्वामी,आर.के पांडेय,जितेंद्र सैमया, भवन अधिकारी प्रकाशचंद थावनी,सहायक अभियंता एस.एल शर्मा,राजेन्द्र धबाले,सुरेश केवलानी,लेखा अधिकारी राजकमल बोरकर,नोडल अधिकारी जावेद अली प्रभारी बाजार अधिकारी थानसिंह यादव के अलावा

प्रभारी स्थापना शाखा मनोहर साहू,सचिव शरद रत्नाकर, गैरेज प्रभारी शौयब अहमद एवं अन्य मौजूद थे।बैठक में स्वच्छ भारत मिशन के तहत एफएसटीपी निर्माण कार्य को स्वीकृति एवं अनुदान राशि उपलब्ध कराने भारत सरकार द्वारा जारी स्वच्छ भारत मिशन शहरी अंतर्गत गार्बेज फ्री सिटी स्वच्छ सर्वेक्षण वाटर प्लस योजना के तहत सेप्टिक टैंक से निकलने वाले फिकल स्लज का निपटान हेतु एक सौ पचास लाख रु की लागत को स्वीकृति प्रदान की गई गौरव पथ मार्ग चौड़ीकरण एवं उन्नत कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की गई है।

कार्य की तकनीकी एवं प्रशासकीय स्वीकृति तथा पेड़ शिफ्टिंग हेतु कलेक्टर महोदय से अनुमति प्राप्त कर विभाग के मार्गदर्शन में उनके निर्देश अनुसार कराया जाना प्रस्तावित है जिस पर स्वीकृति प्रदान की गई वार्ड क्रमांक 54 पोटिया ट्रेंचिंग ग्राउंड के लिए सीमेंट सड़क निर्माण हेतु अधोसंरचना मद योजना अंतर्गत राशि 109.20 लाख की प्रशासकीय स्वीकृति प्राप्त है जिस के अनुसार कार्य पूर्ण कर लिया गया है परंतु लंबाई के बढ़ोतरी होने के कारण मुख्य मार्ग से रोड को जोड़ने का कार्य शेष रह गए हैं कार्य को पूर्ण करने हेतु राशि रुपए 16.67 लाख पृथक निविदा आमंत्रित की गई है जिसके अनुसार 13.33 लाख का व्यय अनुमानित है वर्तमान में निकाय में राशि उपलब्ध नहीं होने के कारण शासन से राशि की मांग किया जाकर कार्य पूर्ण कराया जाना उचित होगा उक्त राशि की वित्तीय स्वीकृति सहित राशि आवंटन हेतु प्रस्ताव राज्य शासन को प्रेषित करने की स्वीकृति प्रदान की गई माननीय नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल द्वारा पारित आदेश अनुसार आवास एवं व्यवसायिक भवन से निकलने वाले निस्तारी पानी एवं नालियों में बहने वाले गंदे पानी के उपचार उपरांत ही नदी नालों तालाब अथवा खुले स्थान में छोड़ते हुए जल का उद्यान मछली पालन कृषि सिंचाई एवं निर्माण इत्यादि कार्य में उपयोग किया जाना है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950